www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 169 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
11 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:50
सूर्यास्तः 06:17
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07

विशेष समाचार | ब्रिक्स शक्ति... >> पेज 04 | आगरा में 2 टुकड़ों में मिला ... >> पेज 06 | आईफोन 18 के लॉन्च इवेंट ...

भारत-रूस के बीच बातचीत विमान सौदे को लेकर चर्चा

देश में ही बनेंगे सुखोई और टर्बोप्रॉप

ब्रिक्स से पहले 105 विमानों की डील पर भारत-रूस के बीच बातचीत

BRICS INDIA 2026

ब्रिक्स में जिनपिंग-पुतिन दोनों आएंगे, चीनी राष्ट्रपति का गलवान झड़प के बाद पहला भारत दौरा, पीएम मोदी से बैठक संभव

समझौता

- नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को ब्रिक्स समिट आयोजित होगा।
- इसमें चीन और रूस समेत 11 सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से ठीक पहले भारत और रूस के बीच 105 जेट्स पर समझौता हुआ है। जिसके तहत रूस, भारत को 105 जेट्स देगा।

दरअसल, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से ठीक पहले केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने गुरुवार को बताया कि देश की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी (UDAN योजना) को मजबूत करने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) और रूस के बीच 105 टर्बोप्रॉप और सुखोई सुपरजेट विमानों के स्वदेशी निर्माण को लेकर बातचीत आगे बढ़ी है। BRICS समिट में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दोनों भारत आएंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को जिनपिंग के भारत दौरे की पुष्टि की। इससे दो दिन पहले रूस ने भी पुतिन के भारत आने की पुष्टि की थी। जिनपिंग का यह 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत का पहला दौरा होगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक होने की भी उम्मीद है।

>> (शेष पेज 06 पर)

सैन्य रक्षा समझौतों से आएगी मजबूती

इस प्रस्तावित सौदे के तहत पिनेकल एयर और एयर केरल जैसे भारतीय ऑपरेटरों को ये विमान सौंपे जाएंगे, जिससे दोनों देशों के संबंध पारंपरिक सैन्य रक्षा समझौतों से आगे बढ़कर नागरिक विमान निर्माण के क्षेत्र में और गहरे होंगे।

भारत की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बिल्कुल अलग

नायडू ने स्पष्ट किया कि ये दोनों विमान भारत की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी (UDAN) योजना की जरूरतों के बिल्कुल अनुकूल हैं। देश भर में कई नए हवाई अड्डे तैयार हो रहे हैं, जिन्हें आपस में जोड़ना बेहद जरूरी है। सरकार का मुख्य उद्देश्य इन विमानों का निर्माण जल्द से जल्द भारत में ही शुरू करना है ताकि घरेलू उड़ान नेटवर्क को मजबूती दी जा सके।

किन-किन कंपनियों के साथ डील?

प्रस्तावित डील्स में पिनेकल एयर के लिए 50 IL-114-300 विमान, एयर केरल के लिए 20 विमान और स्लीक एविएशन के साथ हुए MoU (समझौता ज्ञापन) के तहत 35 और विमानों की योजना शामिल है।

गलवान हिंसा के बाद बिगड़े थे भारत-चीन के रिश्ते

भारत और चीन के रिश्ते 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद बुरी तरह बिगड़ गए थे। इस झड़प में दोनों देशों के सैनिक मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को लेकर तनाव काफी बढ़ गया। हालांकि, इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी की कई मौकों पर मुलाकात हुई है। दोनों नेता दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के दौरान आमने-सामने आए हैं। पिछले साल चीन में हुई शंघाई सहयोग संगठन यानी SCO की बैठक के दौरान भी दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। इस बार नई दिल्ली में होने वाले BRICS समिट के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग के बीच अलग से द्विपक्षीय बैठक होने की उम्मीद है।

आतंकियों ने फिर भेजी कश्मीरी पंडितों को धमकी भरी चिट्ठी

श्रीनगर। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल (यूएलसी) ने कश्मीरी पंडितों के नाम एक और चिट्ठी जारी की है। यह एक महीने में जारी होने वाली छठवीं चिट्ठी है। इस बार पीएम पैकेज के तहत यहां काम कर रहे कश्मीरी पंडित कर्मचारी निशाने पर हैं।

आतंकियों ने इन कर्मचारियों का फोन नंबर, पता और गाड़ियों का ब्योरा भी हासिल किया है। चिट्ठी में गैर स्थानीय कर्मचारियों के शव उनके घर भेजने की धमकी दी गई हैं। इसके बाद कश्मीरी पंडितों के संगठन ऑल पीएम पैकेज एम्प्लॉइज एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री और उप राज्यपाल से जांच करने और सुरक्षा के लिए गुहार लगाई है।

लश्कर से जुड़े आतंकी संगठन यूएलसी के पोस्टर/चिट्ठियां सोशल मीडिया और इलाके की दीवारों पर कुछेक जगह चिपकी मिली हैं।

14 साल की बच्ची से हिंसा गंभीर मामला : सीजेआई सूर्यकांत

आरोपी खुले घूमकर परिवार को डरा नहीं सकते

टिप्पणी

- जंतर-मंतर प्रदर्शन में शामिल हुई थी नाबालिग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने वाली 14 साल की लड़की को परेशान करने और उसके घर में तोड़-फोड़ के आरोपों को गंभीरता से लिया है।

मुख्य न्यायाधीश (CJI) की अध्यक्षता वाली बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा-अगर बच्चे के खिलाफ हिंसा करने वाले असामाजिक तत्व खुलेआम घूम रहे हैं और बच्ची को डराने की कोशिश कर रहे हैं, तो यह गंभीर बात हो सकती है। लड़की की FIR पर कार्रवाई और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करें।

कोर्ट ने दिल्ली और यूपी सरकार से इस कार्रवाई पर रिपोर्ट भी मांगी है। जंतर-मंतर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान बच्ची के पिता पर हमला हुआ था। इस मामले में आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को जेल भेज दिया गया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

सरकार से आश्वासन नहीं मिला तो 19 से 24 सितंबर तक आंदोलन करेंगे

लद्दाख मुद्दे पर सोनम वांगचुक की चेतावनी

निराशा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । लद्दाख के एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने लेह और कारगिल के नेताओं की बुधवार को दिल्ली में हुई बैठक पर निराशा जताई। वांगचुक ने कहा कि अगर लद्दाख के मुद्दे पर सरकार से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला तो 19 से 24 सितंबर तक फिर आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा- हमें सरकार पर भरोसा है इसलिए हर बार सरकार के साथ बातचीत करने आते हैं। उम्मीद है कि ये भरोसा न टूटे। वांगचुक ने कहा कि दिल्ली में बैठक बहुत अच्छे माहौल में हुई लेकिन उसमें कुछ निकला नहीं। चार महीने पहले जो फैसले हुए थे, उन्हें ही दोहराया गया। कोई नया प्रस्ताव नहीं आया और लद्दाख की मांगों पर भी सरकार ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

लद्दाख के स्थानीय लोग और नागरिक संगठन, जैसे लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस, संविधान की छठी अनुसूची को लागू करने की मांग कर रहे हैं।

इसका मुख्य उद्देश्य लद्दाख की 97% से ज्यादा जनजातीय आबादी की पहचान, उनकी अनूठी संस्कृति, भाषा और पर्यावरण को बाहरी हस्तक्षेप से बचाना है।

फास्ट न्यूज

एमपी शराबकांड-3 और मरीजों ने तोड़ा दम

सागर। सागर के बंडा में जहरीली शराब से मौतों के मामले में गुरुवार को बड़ा एक्शन हुआ। नगर पालिका की टीम, फोर्स के साथ वार्ड नंबर 11 और 12 में पहुंची। यहां मुख्य आरोपी और करणी सेना के संभागीय अध्यक्ष चंद्रभान सिंह राजपूत उर्फ चंदू और आशीष साहू के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया।

आरोप | दावा

स्टालिन बोले-सीएम विजय रील से जनता को गुमराह कर रहे

नई दिल्ली। डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु के सीएम विजय ने विधानसभा को रील बनाने की जगह बना दिया है। अपनी नाकाम प्रशासन व्यवस्था छिपाने के लिए विजय रील पोस्ट कर पूरी पीढ़ी को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने आपातकाल के दौरान जेल में हुई मारपीट का जिक्र करते हुए कहा कि उनका जबड़ा टूट गया था और आज भी शरीर पर पिटाई के निशान हैं। स्टालिन ने गुरुवार को एक्स पर वीडियो जारी कर ये बातें कहीं।

नंदनकानन पहुंचे ओडिशा के जंगल से मिले 5 बेबी ओरंगुटान

बालासोर। ओडिशा के बालासोर जिले के जंगल में मंगलवार सुबह मिले 5 नन्हे ओरंगुटान का रहस्य गहरा गया है। दरअसल ये भारत में नहीं पाए जाते हैं, इसलिए पूरी आशंका है कि इन्हें तस्करी कर यहां लाया गया है। फॉरेस्ट ऑफिसर प्रतीक प्रकाश इंदलकर के मुताबिक, पांचों को फिलहाल भुवनेश्वर के नंदनकानन जू में रखा गया है।

भाजपा प्रवक्ता के खिलाफ पोस्ट डिलीट करेगी सीजेपी

दीपके, सौरव और रांका को समन

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया की मानहानि याचिका पर गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट के सामने CJP प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका ने भाटिया के खिलाफ किए गए AI से बने विवादित पोस्ट हटाने पर सहमति जताई। दोनों पोस्ट 24 घंटे में हटाए जाएंगे।

कोर्ट ने मामले में सौरव दास, आशुतोष रांका और CJP फाउंडर अभिजीत दीपके को समन भी जारी किया है। साथ ही मेटा और X से कहा कि अगर भविष्य में ऐसे पोस्ट की हूबहू कॉपी दोबारा डाली जाती है और भाटिया शिकायत करते हैं, तो उसे हटाने पर कार्रवाई की जाए।

मामला CJP कार्यकर्ता नीशू आजाद के पिता संजय कुमार पर हमले से जुड़ा है।

- हाईकोर्ट बोला- दोबारा ऐसी पोस्ट आई तो मेटा-एक्स हटाएंगे

>> (शेष पेज 06 पर)

भाजपा के 7 मोर्चा प्रभारी घोषित, इनमें 2 एमपी से

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को अपने 7 प्रमुख मोर्चों के प्रभारियों की घोषणा की। पार्टी ने युवा, महिला, SC, OBC, किसान, ST और अल्पसंख्यक मोर्चों की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेताओं को सौंपी है। सात में से सबसे ज्यादा 2 प्रभारी मध्य प्रदेश से हैं।

पार्टी के मुताबिक, हरीश द्विवेदी को युवा मोर्चा और डी. पुरंदेश्वरी को महिला मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सतीश पूनिया को ST मोर्चे की जिम्मेदारी दी गई है।

BJP ने संजय भाटिया को SC मोर्चा और वैजयंत पांडा को OBC मोर्चे का प्रभारी नियुक्त किया है। वहीं, लाल सिंह आर्या को किसान मोर्चा और गजेंद्र पटेल को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। ये सभी मोर्चों की कार्यकारिणी बनाने, प्रदेशों के प्रभारी तय करने और राज्यों में मोर्चे की टीम तैयार करने में मदद करेंगे।

मणिपुरी संगीतकार को श्रद्धांजलि दी, दिल्ली में 4 दिन पहले 6 लोगों ने घर में घुसकर मार डाला था

पहचान के आधार पर हमला भी त्रासदी : राहुल गांधी

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को मणिपुर के दिवंगत संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा, 'विक्रम को सिर्फ इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वे मणिपुर से आते थे। एक युवा की हत्या अपने आप में बड़ी त्रासदी है। इसके साथ ही किसी व्यक्ति पर उसकी पहचान और वह किस जगह से आया है, इस आधार पर हमला होना भी चिंता की बात है।' दिल्ली 6 सितंबर को 54 साल के मणिपुर मूल के संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। राहुल गांधी ने कहा कि विक्रम की हत्या हुई या नहीं हुई, इस घटना में हिंसा जरूर थी। इसमें हिंसा, नफरत और अहंकार दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि आजकल एक सोच जैसी बनती जा रही है कि अगर कोई व्यक्ति ताकतवर है तो वह हिंसा कर सकता है।

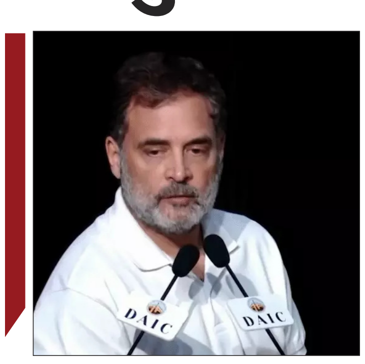

विक्रम की हत्या के मामले में पुलिस ने मंगलवार को 8 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें एक नाबालिग भी है।

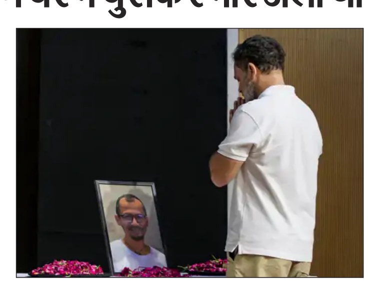

- राहुल ने वंगत संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह को श्रद्धांजलि दी।

दिल्ली में रहने वाले नॉर्थईस्ट के लोगों की सुरक्षा पर चिंता

इस मामले ने नॉर्थईस्ट समुदाय के लोगों में दिल्ली में रहने वालों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। घटना को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। पुलिस मामले की परिस्थितियों और हमले के मकसद की जांच कर रही है। इस बारे में आगे की पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

ऐलान : अखिलेश बोले- भाजपा प्रभारी पर तंज- तिजोरी भरने मुंबई से कोई टीआई आए हैं

आउटसोर्स खत्म करेंगे, सबको पक्की नौकरी देंगे : अखिलेश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जनता के अधिकारों को छीनने और विपक्ष के कार्यक्रमों पर रोक लगाने का आरोप लगाया है। गुरुवार को सपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता के अधिकारों को छीनने वाली इतनी खराब सरकार पहले कभी नहीं आई। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा सरकार समाजवादी पार्टी के कार्यक्रमों से क्यों घबरा रही है। अखिलेश यादव ने बताया कि समाजवादी पार्टी के बुलंदशहर संगठन की ओर से एक कार्यक्रम तय किया गया था। पहले अधिकारियों ने सावन के महीने का हवाला देकर कार्यक्रम की तारीख आगे बढ़ाने को कहा। पार्टी ने तारीख आगे बढ़ाकर दोबारा कार्यक्रम तय किया, लेकिन इसके बाद हेलीपैड पर जलभराव का हवाला देकर अनुमति नहीं दी गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

स्कूलों की बदहाली पर भी सरकार को घेरा

सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार घबराहट में विपक्षी गतिविधियों पर पाबंदी लगा रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग प्राथमिक स्कूलों की बदहाली का वीडियो बनाकर वास्तविक स्थिति सामने लाते हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाती है और उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। शिक्षक दिवस पर भी पुलिस ने समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को बंद पड़े प्राथमिक स्कूलों पर 'पाठशाला पुकारे' कार्यक्रम करने से रोक दिया।

> अखिलेश यादव ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों से मिलना, बुलंदशहर की समस्याओं को समझना, विधानसभा चुनाव के लिए जिले का घोषणापत्र तैयार करना और पत्रकारों से बातचीत करना था।

मुझे ट्रोल होने वाली पॉलिटिकल वाइफ बना रहे : अमृता फडणवीस

गरबा में मुस्लिमों की एंट्री की बात दोहराई

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने गरबा में मुस्लिमों की एंट्री के समर्थन में फिर से अपनी बात दोहराई। उन्होंने कहा- मुझे इस मुद्दे पर पॉलिटिकल वाइफ बनाकर ट्रोल किया जा रहा है। लेकिन मैं पॉलिटिकल नहीं हूं। मैं एक सोशल एक्टिविस्ट और नागरिक के तौर पर अपनी राय रखती हूं।

अमृता ने बुधवार रात नागपुर में एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से कहा- नवरात्रि और गरबा जैसे त्योहार सभी को साथ लेकर चलने वाले हैं। इनमें जाति-धर्म का भेद नहीं होना चाहिए। पहचान पत्र जांचना अच्छी प्रैक्टिस है, लेकिन धर्म के आधार पर लोगों की जांच सही नहीं है। इससे पहले अमृता ने मंगलवार को कहा था कि अगर मुस्लिम गरबा देखने आते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं है।

- लव जिहाद पर बोलीं- सख्त कानून बनाए जा रहे
- जरांगे को भाई बताया, घर पर खाने का न्योता दिया

>> (शेष पेज 06 पर)

लखीमपुर में पुलिस चौकी में पानी घुसा ■ उन्नाव में चल रही जुगाड़ की नाव

3 मंजिला मकान ढहा, महिला की मौत

सावधान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में इस सीजन मानसूनी बारिश का कोटा लगभग फुल हो गया है। एक जून से अब तक 656.5 मिमी बारिश हो चुकी है। गुरुवार सुबह प्रयागराज, कौशांबी समेत 10 जिलों में बारिश हुई। दोपहर एक बजे से वाराणसी में तेज बारिश हो रही है। आज 36 जिलों में बारिश का अलर्ट है। मुरादाबाद में तीन मंजिला मकान अचानक भरभराकर गिर गया। मलबे में दबकर महिला की मौत हो गई। हादसे के वक्त वह घर में अकेली थी। बारिश की वजह से पिछले कई दिनों से मकान के चारों तरफ पानी भरा हुआ था। इधर, लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26

जिले बाढ़ की चपेट में हैं। करीब 4 लाख की आबादी प्रभावित है। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी की बाढ़ का पानी पुलिस चौकी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में भर गया है।

बरेली में रामगंगा का कटान तेज हो गया है। 10 साल पुराना एक मंदिर नदी में समा गया। कानपुर से सटे उन्नाव में गंगा नदी उफान पर है। किनारे बसे 10 से ज्यादा गांव टापू बन गए हैं। लोग थर्माकोल और फोम से जुगाड़ की नावें बनाकर आवाजाही कर रहे हैं। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी की बाढ़ का असर अब आम लोगों के साथ पुलिस व्यवस्था पर भी पड़ रहा है। सदर तहसील के खीरी थाना क्षेत्र स्थित नकहा पुलिस चौकी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) परिसर में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। वाराणसी में मौसम विभाग ने आज बारिश का ओरेंज अलर्ट जारी किया है। गंगा का जलस्तर चार दिन बाद एक बार फिर बढ़ने लगा है। गंगा इस समय 69.26 मीटर पर बह रही है। जलस्तर में प्रत्येक दो घंटे में एक सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हो रही है। वाराणसी में आज अधिकतम तापमान 33 डिग्री रहने का अनुमान है और हवाएं 5 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चल रही हैं।

मुरादाबाद में तीन मंजिला मकान अचानक भरभराकर गिरा, महिला की मौत

मुरादाबाद में गुरुवार को तीन मंजिला मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के समय मकान में कासिम की पत्नी गुलाबो (42) अकेली थी। वह मलबे में दब गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू कर उसे बाहर निकाल लिया। इसके बाद एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। कासिम मिस्त्री का काम करता है। हादसे के समय वह काम पर गया हुआ था। बताया जा रहा है कि मकान में परिवार के अन्य लोग भी रहते हैं, लेकिन घटना के वक्त वे घर पर नहीं थे। मामला भोजपुर थाना क्षेत्र के अका भीखनपुर गांव का है।

बरेली में रामगंगा में समाया प्राचीन मंदिर

बरेली के शेरगढ़ के कपूरपुर गांव में रामगंगा नदी का कटान लगातार बढ़ रहा है। कटान की वजह से नदी किनारे बना प्राचीन मंदिर रामगंगा की धारा में समा गया। बुधवार सुबह जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो मंदिर नहीं था। ग्रामीणों का कहना है कि मंगलवार रात से कटान तेज हो गया था। इसी वजह से मंदिर नदी में समा गया।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-यूपी में मानसून अब अपने अंतिम चरण में है। मध्य और पूर्वी यूपी के ज्यादातर जिलों में अगले 24 घंटे में बारिश का सिलसिला थम जाएगा। आम तौर पर यूपी से मानसून की वापसी सितंबर के तीसरे हफ्ते में होती है। इस बार भी हालात लगभग तय समय के आसपास ही मानसून वापसी की ओर इशारा कर रहे हैं।

वाराणसी में पायलट ने फ्लाइट उड़ाने से मना किया

कहा- तबीयत खराब है यात्रियों का हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी एयरपोर्ट पर मुंबई जाने वाली इंडिगो फ्लाइट के पायलट ने विमान उड़ाने से मना कर दिया। पायलट ने कहा- तबीयत खराब है। विमान नहीं उड़ा पाऊंगा। पायलट के अचानक मना करने से एयरलाइंस प्रबंधन में हड़कंप मच गया। एयरलाइंस अफसरों ने बोर्डिंग शुरू होने से ठीक पहले यात्रियों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया।

यात्रियों का कहना है कि एयरलाइंस ने जानबूझकर उड़ान की सही जानकारी नहीं दी। एयरलाइंस ने यात्रियों से कहा कि पायलट का इंतजाम किया जा रहा है। विमान (6E-6544) को सुबह 10:45 बजे वाराणसी से मुंबई के लिए उड़ान भरना था। वहीं, सूत्रों ने दावा किया कि पायलट की तबीयत खराब नहीं हुई थी, बल्कि उसकी ड्यूटी का समय पूरा हो गया था। इसलिए उसने विमान उड़ाने से मना कर दिया। इसके बाद 2:21 बजे विमान ने उड़ान भरी। एयरपोर्ट निदेशक पुनीत गुप्ता ने बताया-मेडिकल कारणों के चलते क्रू विमान उड़ाने की स्थिति में नहीं है। फिलहाल, वैकल्पिक क्रू की व्यवस्था की जा रही है, ताकि उड़ान का संचालन किया जा सके। एक यात्री ने कहा- रिफ्रेशमेंट के नाम पर अभी तक कोई अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। पैसेंजर सुबह 8 बजे से आकर बैठे हुए हैं। मेरा सीधा आरोप इंडिगो पर है कि यात्रियों को इस तरह परेशान किया जा रहा है। अगर कोई पैसेंजर 15 मिनट लेट हो जाए तो उसे एयरपोर्ट के अंदर प्रवेश नहीं करने दिया जाता।

फास्ट न्यूज

गुलदार ने गर्दन से पकड़कर महिला को खेत में घसीटा

नजीबाबाद, बिजनौर। बिजनौर में महिला पर गुलदार ने हमला कर दिया। गुरूवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे महिला खेत में शौच के लिए गई थी। तभी अचानक गुलदार पीछे से युवती के गर्दन पर हमला करते हुए उसे गन्ने के खेत में घसीट ले गया। महिला के चचेरे भाई ने गुलदार के गुर्राने की आवाज सुनी। घर से कुछ दूरी पर उसे खून के धब्बे दिखाई दिए।

वृंदावन में युवक को थप्पड़ मारे, प्लास से कान खींचा

मथुरा। वृंदावन में जेब काटने के शक में भीड़ ने एक युवक को पकड़कर पीट दिया। इस दौरान युवक को कई थप्पड़ मारे गए और प्लास से उसका कान खींचा गया। युवक हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाता रहा और कहता रहा-छोड़ दो, मैंने गलती नहीं की है। इसके बावजूद लोग उसे पीटते रहे। इस दौरान बैरिकेडिंग के पास एक पुलिसकर्मी भी दिखाई दिया। भीड़ में मौजूद कुछ लोगों ने बीच-बचाव किया। इसी बीच युवक मौका पाकर वहां से फरार हो गया। घटना मंगलवार शाम करीब 7 बजे बांके बिहारी मंदिर से करीब 200 मीटर दूर हरि निकुंज चौराहे के पास की है।

कानपुर में डोर-टू-डोर सफाई कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

कानपुर । कानपुर में डोर-टू-डोर सफाई व्यवस्था में लगे कर्मचारियों ने गुरुवार को नगर निगम मुख्यालय में प्रदर्शन किया। डोर टू डोर सफाई कर्मचारी एसोसिएशन ने कर्मचारियों के वेतन, ईपीएफ, ईएसआई, सुरक्षा किट और बीमा समेत कई मुद्दे उठाए हैं।

कर्मचारियों ने समस्याओं को लेकर नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर समाधान की मांग की है।

तख्त के नीचे मिला 15 वर्षीय किशोर का शव

तमसा संकेत, एजेंसी

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के बल्लोपुर गांव में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक 15 वर्षीय किशोर का शव घर में तख्त के नीचे संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। किशोर के गले में कपड़े का फंदा और गले पर निशान थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज लेकर पहुंचे, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार बल्लोपुर गांव निवासी श्रवण बाजपेई का 15 वर्षीय पुत्र शिवा बाजपेई घर में था। गुरुवार सुबह करीब साढ़े सात बजे परिजनों की नजर तख्त के नीचे पड़े शिवा पर पड़ी। उसके गले में कपड़े का फंदा लगा हुआ था। परिजनों के

मुताबिक उस समय उसके शरीर में गर्मी महसूस हो रही थी। इसके बाद परिजन तत्काल उसे लेकर सीएचसी सूरतगंज पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि शिवा परिवार में चार बहनों के बीच इकलौता भाई था। उसकी मौत की खबर मिलते ही घर में चीख-पुकार मच गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के परिजनों ने गांव के ही एक व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि बुधवार शाम शिवा पर रुपये चोरी करने का आरोप लगाया गया था। आरोप लगाने के बाद उसे थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने और जेल भिजवाने की धमकी भी दी गई थी।

कहा- आकाश को पार्टी से ज्यादा ससुर प्रिय, डबल माइंड हो गए, समधी ने संन्यास में देरी की

मायावती भतीजे पर भड़कीं फिर पार्टी से निकाला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती के परिवार में सियासी कलह बढ़ती जा रही है। उन्होंने भतीजे आकाश आनंद को एक बार फिर पार्टी से निकाल दिया है। मायावती ने गुरुवार सुबह 9 बजे X पर लिखा-आकाश को अपने ससुर से ज्यादा लगाव है। वह डबल माइंड हो गए हैं। 3 सितंबर से उन्होंने मेरी पोस्ट को रिपोस्ट तक नहीं किया। अगर वह पार्टी में स्वतंत्र रहना चाहते हैं तो वे स्वतंत्र हैं। इसलिए आज से उन्हें पार्टी से आजाद कर दिया गया है। उनके ससुर ने इस्तीफे में देरी कर दी। मायावती ने कल यानी बुधवार आकाश की पार्टी में पद वापस देने के लिए उनके ससुर और पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से

संन्यास की शर्त रखी थी। मायावती की इस शर्त के करीब 17 घंटे बाद अशोक सिद्धार्थ ने गुरुवार सुबह 7 बजे राजनीति से संन्यास का ऐलान कर दिया। उन्होंने X पर भावुक पोस्ट करते हुए लिखा- संन्यास तो छोटी बात है। बहनजी के लिए जान भी दे सकता हूं। उनके आदेश के आगे परिवार, रिश्ते-नाते सब बहुत छोटे हैं। मैंने कभी आकाश को गुमराह करने की कोशिश नहीं की।

■ ये तस्वीर 3 सितंबर की है। मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ राष्ट्रीय स्तर की बैठक की थी।

आकाश ने वफादारी नहीं दिखाई

समधी के इस्तीफे के 2 घंटे बाद मायावती ने भतीजे आकाश को पार्टी से निकाल दिया। उन्होंने कहा- अशोक सिद्धार्थ का राजनीति से संन्यास लेना 'देर आए, दुरुस्त आए' जैसा है। अगर उन्हें आकाश के भविष्य की चिंता होती तो वे कल ही संन्यास ले लेते। अशोक सिद्धार्थ की महत्वाकांक्षा अभी भी बनी हुई है।

आकाश का अपने ससुर से लगाव कम नहीं हुआ है। उन्होंने मेरी X पोस्ट तक रिपोस्ट नहीं की, जबकि पहले वह मेरी पोस्ट रिपोस्ट करके अपनी वफादारी दिखाते रहे हैं। अशोक-आकाश को पार्टी और आंदोलन से ज्यादा अपने निजी और पारिवारिक हितों की चिंता है।

सूत्र बताते हैं कि बसपा के इकलौते राज्यसभा सांसद रामजी गौतम और अशोक सिद्धार्थ के बीच तनातनी चल रही है। पूरे फैमिली विवाद की यही वजह है। जब-जब पार्टी में अशोक सिद्धार्थ की वापसी हुई तो रामजी गौतम का प्रभाव कम हुआ। उनके कार्यक्षेत्र में बदलाव हुआ। वहीं, जब रामजी गौतम का प्रभाव बढ़ा तो अशोक सिद्धार्थ अलग-थलग हो गए।

कारोबारी ने खुद को मारी गोली

भाई को फोन करके बोला- घर के नीचे आओ, वरना जान दे दूंगा, गर्दन में फंसी बुलेट

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में 52 साल के कपड़ा कारोबारी ने खुद को गोली मार ली। गुरुवार सुबह 5 बजे वह छोटे भाई के घर पहुंचे। फोन कर कहा- घर से नीचे आओ, वरना खुद को मार लूंगा। भाई के नीचे पहुंचने से पहले ही उन्होंने खुद को गोली मार ली और सड़क पर गिर पड़े।

भाई और परिजन उन्हें तुरंत बीएचयू ट्रॉमा सेंटर ले गए। डॉक्टरों के मुताबिक, गोली उनकी गर्दन में फंसी है। उनका इलाज चल रहा है। घरवालों ने बताया कि विजेंद्र सोनी की इकलौती बेटी की शादी होने वाली है। वह कुछ समय से आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। परिजनों के मुताबिक, इसके चलते वह डिप्रेशन में थे। वेदांता हॉस्पिटल में उनका इलाज भी चल रहा था। हालांकि, उन्होंने यह कदम क्यों उठाया, इसकी साफ वजह सामने नहीं आई है। घटना कैंट थाना क्षेत्र की है। भाई जितेंद्र ने बताया कि गुरुवार सुबह 5 बजे विजेंद्र टहलने निकले थे। करीब 30 मीटर दूर वह मेरे घर और दुकान के पास पहुंचे। उन्होंने घर के नीचे से मुझे फोन किया और नीचे आने को कहा। सुबह का वक्त था, इसलिए मैंने कहा कि थोड़ी देर में मिलते हैं। उन्होंने तुरंत नीचे आने को कहा। कुछ देर बाद गोली चलने की आवाज सुनाई दी। मैं दौड़कर नीचे गया तो मेरा भाई सड़क पर पड़ा था। हम लोग तुरंत उन्हें अस्पताल ले गए।

साड़ी की दुकान चलाते हैं कारोबारी

विजेंद्र सोनी कैंट थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। वह तीन भाइयों में मंझले हैं। पांडेयपुर में एक ही बिल्डिंग में तीनों भाइयों की दुकानें हैं। यहां श्रीराम ज्वेलर्स और ऊपर श्रीराम साड़ी घर संचालित होता है। विजेंद्र की श्री राम साड़ी के नाम से दुकान है। बड़े भाई नरेंद्र सोनी की श्रीराम अलंकार ज्वेलर्स के नाम से ज्वेलरी की दुकान है। छोटे भाई जितेंद्र सोनी जय मां दुर्गा नाम से ज्वेलरी की दुकान चलाते हैं। विजेंद्र के परिवार में पत्नी, एक बेटी और एक बेटा हैं।

हाथरस जिला अस्पताल में डॉक्टर रूम की सीलिंग गिरी

हाथरस । हाथरस के हाथरस गेट थाना क्षेत्र स्थित जिला अस्पताल के एनआरसी वार्ड में गुरुवार शाम करीब 4 बजे डॉक्टर रूम की छत की सीलिंग अचानक गिर गई। हादसे के समय कमरे में झाड़ू लगा रहे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मनोज कुमार मलबे की चपेट में आकर घायल हो गए। उनके ऊपर छत का मलबा गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सीलिंग गिरने के बाद डॉक्टर रूम में मलबा फैल गया। हादसे की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन और स्टाफ में खलबली मच गई। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घायल मनोज कुमार को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। गनीमत रही कि हादसे के समय डॉक्टर रूम में मनोज कुमार के अलावा कोई अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं था। अगर कमरे में मरीज या अस्पताल का कोई अन्य कर्मचारी मौजूद होता तो वह भी मलबे की चपेट में आ सकता था। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने स्थिति का जायजा लिया।

रोज मिल रहे 0 से 5 स्वाइन फ्लू मरीजें अब तक किसी की मौत नहीं

सीएमओ बोले- पूर्वांचल सुरक्षित, भीड़ में मास्क जरूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । देश के कई हिस्सों में स्वाइन फ्लू के मामले बढ़ रहे हैं, वहीं वाराणसी में स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। CMO डॉ. एनपी सिंह ने बताया कि जिले में रोजाना 0 से 5 नए मरीज ही सामने आ रहे हैं और अब तक किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। 1 अगस्त से अब तक करीब 111-112 केस आ चुके है।

सीएमओ के मुताबिक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मरीज ज्यादा मिल रहे हैं, जबकि पूर्वांचल अभी सुरक्षित स्थिति में है। जांच की सुविधा निशुल्क है और मरीजों के लिए अस्पतालों में करीब 152 बेड की व्यवस्था रखी गई है।

सीएमओ डॉ. एनपी सिंह ने बताया कि वाराणसी में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या फिलहाल कम है। रोजाना सामने आने वाले मामलों की संख्या 0 से 5 के बीच रह रही है। इससे ज्यादा मरीज एक दिन में

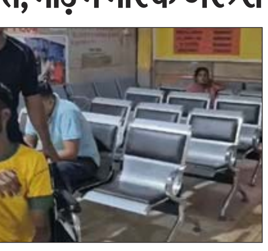

नहीं मिले हैं। उन्होंने बताया कि 1 अगस्त से अब तक करीब 111-112 केस आ चुके हैं। जांच की प्रक्रिया नियमित रूप से चल रही है और सैंपल की रिपोर्ट उसी दिन देने की व्यवस्था है। सीएमओ ने बताया कि जनपद वाराणसी में अभी तक किसी मरीज की स्वाइन फ्लू से मौत नहीं हुई है। इससे पहले अप्रैल में एक मरीज की मौत हुई थी। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह तैयार है। डॉ. एनपी सिंह ने बताया कि अभी स्वाइन फ्लू के अधिकतर मामले पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सामने आ रहे हैं।

घटना : परिवार का इकलौता बेटा था, मां रो-रोकर बेहोश, कह रही- लल्ला वापस ला दो

खेलते-खेलते नाले में गिरा मासूम, मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। बरेली में 2 साल के मासूम बच्चे की नाले में डूबने से मौत हो गई। बच्चा घर के बाहर खेल रहा था। मां किचन में खाना बना रही थी और पिता सो रहे थे। खेलते-खेलते सुनील घर के सामने बने खुले नाले में गिर गया।

मां जब बाहर देखने आई तो सुनील दिखाई नहीं दिया। उसने पति को जगाया। आस-पड़ोस में पूछताछ शुरू की। जब कहीं कोई खबर नहीं मिली, तो पड़ोसियों के साथ मिलकर बच्चे को तलाशने लगे।

करीब एक घंटे बाद पड़ोसियों ने घर से लगभग 200 मीटर दूर बच्चे का शव नाले में उतराता देखा। उन्होंने तुरंत चिल्लाकर परिवार को सूचना दी। बच्चे को बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल ले

जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सुनील का शव देखकर मां का बुरा हाल है। वह रोते-रोते बार-बार बेहोश हो रही है। परिजन पानी के छींटे डालकर उन्हें होश में ला रहे हैं। होश आते ही वह बार-बार कह रही हैं- मेरा लल्ला वापस ला दो। हादसा जिला मुख्यालय से 45 किमी दूर अलीगंज थाना क्षेत्र के कैनी इंचौर गांव में बुधवार सुबह 10 बजे हुआ।

कैनी इंचौर गांव के रहने वाले तेजपाल लोधी राजपूत किसान हैं। मां कमला देख नहीं सकती हैं। पत्नी अनारकली घर संभालती है। इकलौते बेटे सुनील के अलावा 2 बेटियां सोनाली (5) और अनामिका (3) हैं। तेजपाल ने बताया- पूरा परिवार घर के अंदर थे। सुनील भी अंदर ही खेल रहा था। खेलते-खेलते बाहर निकल गया। किचन में काम कर रही पत्नी को बेटा नहीं दिखा तो उसने तलाश शुरू की।

उन्होंने बताया- पत्नी ने बेटियों से कहा कि देखो सुनील कहां है। बेटियों के कमरे और बाहर देखा। सुनील कहीं नहीं दिखा तो मां को बताया। उसने मुझे जगाया।

मकान से आठ कदम की दूरी पर नाला, ऊपर स्लैब नहीं

तेजपाल ने बताया कि मकान से आठ कदम की दूरी पर नाला है। प्रधान ने पिछले साल इसे बनवाया था। नाले की गहराई पांच फीट है। इस पर कोई स्लैब (पत्थर) नहीं डाले गए हैं। इसे पार करके ही हमें सड़क पर जान पड़ता है। हम लोगों ने घर के बाहर नाले के पास खंभे गाड़कर तार बांध दिए थे। बारिश और आंधी में तार खराब होकर सड़ गए।

सीओ आंवला हेमंत उपाध्याय ने बताया-नाले में गिरने से 2 साल के बच्चे की मौत हुई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

घाघरा का कहर : घरों के बाद अब मस्जिद पर मंडराया कटान का खतरा

ग्रामीणों का सवाल पहले हो जाते पुख्ता इंतजाम तो आज अपने आशियाने नहीं तोड़ने पड़ते

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। हेतमापुर में घाघरा नदी के घटते जलस्तर के बाद भी रौद्र रूप अब ग्रामीणों के लिए महज बाढ़ का संकट नहीं रह गया है, बल्कि यह उनके घर, जमीन और आस्था के केंद्र तक पहुंच चुका है। लगातार हो रहे भीषण कटान ने कई आशियानों का अस्तित्व मिटा दिया है। अब नदी की धारा मस्जिद के स्थान के बेहद करीब पहुंच गई है। जिस तेजी से नदी किनारे की जमीन को निगल रही है, उससे मस्जिद पर भी कटान का खतरा मंडराने लगा है। हालात ने ग्रामीणों को इस कदर बेबस कर दिया है कि वे प्रशासन से मदद की प्रतीक्षा करने के बजाय अपने हाथों से अपने घरों को तोड़कर ईंट, दरवाजे, छप्पर और गृहस्थी का सामान सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने

में जुटे हैं। हेतमापुर में कटान का मंजर देखकर हर किसी का कलेजा कांप उठता है। कहीं मकान की दीवार नदी में गिर रही है तो कहीं घर का बचा हुआ हिस्सा भी जमीन खिसकने के साथ असुरक्षित हो चुका है। ग्रामीणों ने बड़ी मेहनत और वर्षों की कमाई से जिन मकानों को खड़ा किया था, आज उन्हीं मकानों को अपने हाथों से तोड़ना उनकी मजबूरी बन गई है। कोई दीवार से ईंटें निकाल रहा है, कोई दरवाजे और खिड़कियां उतार रहा है तो कोई घर के भीतर रखा जरूरी सामान समेटकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा रहा है। ग्रामीणों के लिए यह महज मकान तोड़ना नहीं, बल्कि जीवनभर की जमा पूंजी और यादों को अपनी आंखों के सामने बिखरते देखना है। कटान की बढ़ती रफ्तार ने अब ग्रामीणों की चिंता और बढ़ा दी है। घरों के बाद मस्जिद का स्थान भी कटान क्षेत्र के करीब पहुंच गया है। जिसका थोड़ा सा हिस्सा नदी में भी समा जा चुका है। ऐसे में ग्रामीणों का कहना है कि नदी की धारा लगातार जमीन काटते हुए आबादी की ओर बढ़ रही है। यदि कटान इसी तरह जारी रहा तो मस्जिद को भी बचाना चुनौती बन सकता है।

C M Y K

यूपी में अब सभी टीचर दे सकेंगे स्पेशल टीईटी

5 लाख टीचरों को मिलेगा फायदा, यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग ने स्पेशल टीईटी के लिए विज्ञापन जारी किया है

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। स्पेशल अध्यापक पात्रता परीक्षा (TET) अब बेसिक शिक्षा परिषद से मान्यता और सहायता प्राप्त स्कूलों के टीचर भी दे सकेंगे। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर के टीचरों को भी परीक्षा के लिए पात्र माना गया है। मतलब, अब हर टीचर TET दे सकता है। सरकार के इस फैसले के बाद अब करीब 5 लाख टीचर TET दे सकेंगे।

अभी तक TET बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों विशेष शिक्षकों के लिए ही आयोजित हो रही थी। बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के निर्देशों के बाद यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग ने स्पेशल TET के लिए विज्ञापन जारी किया है।

अब यूपी TET नहीं पास करने वाले शिक्षक भी इस स्पेशल परीक्षा को पास करके अपनी नौकरी बचा सकेंगे। यूपी बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि इससे 2011 से पहले कार्यरत शिक्षकों को बड़ी राहत मिलेगी।

स्पेशल TET 150 अंकों की होगी। इसमें ऑब्जेक्टिव सवाल पूछे जाएंगे। परीक्षा ढाई घंटे की होगी। हर सवाल एक अंक का होगा, लेकिन निगेटिव मार्किंग नहीं होगी।सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 1 सितंबर को दिए आदेश में सभी कार्यरत शिक्षकों के लिए 31 अगस्त 2028 तक TET पास करना जरूरी किया था। इसके बाद शिक्षक संगठनों ने विशेष राहत की मांग को लेकर आंदोलन किया था। शासन ने कार्यरत शिक्षकों के लिए अलग से विशेष TET कराने की घोषणा की थी। अब इसकी कार्ययोजना को मंजूरी दे दी गई है। सामान्य वर्ग के शिक्षकों को परीक्षा में कम से कम 90 अंक यानी 60% अंक हासिल करने होंगे। वहीं, एससी, एसटी, ओबीसी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित, पूर्व सैनिक और दिव्यांग अभ्यर्थियों को 82 अंक यानी 55% अंक लाने पर पास माना जाएगा। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के सामान्य अभ्यर्थियों के लिए भी पास होने के लिए 82 अंक जरूरी होंगे। पेपर-1: कक्षा- 1 से 5 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए होगा। इसमें बाल विकास एवं शिक्षण विधि, पहली भाषा हिंदी, दूसरी भाषा के तौर पर अंग्रेजी, उर्दू या संस्कृत में से किसी एक का चयन, गणित और पर्यावरण अध्ययन से सवाल होंगे। सभी विषयों से 30-30 अंकों के प्रश्न होंगे।

पहले से टीईटी/सीटीईटी पास हैं, तो दोबारा परीक्षा नहीं

अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा के मुताबिक, जिन शिक्षकों ने पहले ही TET या CTET पास कर लिया है, उन्हें स्पेशल TET दोबारा पास करने की जरूरत नहीं होगी। वहीं, ऐसे शिक्षक, जिन्होंने अभी तक TET या CTET पास नहीं किया है, उन्हें स्पेशल TET के लिए आवेदन करने और परीक्षा में शामिल होने के लिए कहा गया है। शासन ने बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने स्तर से संबंधित शिक्षकों को इसकी जानकारी उपलब्ध कराएं। जिससे पात्र शिक्षक तय समयसीमा में आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर सकें।

5 सितंबर से आवेदन, 3 नवंबर को परीक्षा

शिक्षा सेवा चयन आयोग ने स्पेशल TET का विज्ञापन 3 सितंबर को जारी किया था। 5 सितंबर से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, OTR और आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अभ्यर्थी 4 अक्टूबर तक आवेदन शुल्क जमा कर सकेंगे।

आवेदन में किसी तरह का संशोधन करने की अंतिम तारीख 8 अक्टूबर तय की गई है। स्पेशल TET की परीक्षा 3 नवंबर को होगी। यानी अभ्यर्थियों के पास आवेदन प्रक्रिया पूरी करने के बाद परीक्षा की तैयारी के लिए करीब एक महीने का समय रहेगा।

गर्ल्स-हॉस्टल के बाथरूम में कैमरे लगाने वाली वार्डन पर एफआईआर

गोरखपुर में नहाते समय का वीडियो वायरल हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर के गर्ल्स हॉस्टल में छात्राओं के बाथरूम में कैमरा लगाने वाली वार्डन के खिलाफ कैंट थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। एक छात्रा ने यह आरोप लगाते हुए मंगलवार की देर रात 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी थी। इसके बाद मोहद्दीपुर स्थित गर्ल्स हॉस्टल में कैंट थाने की पुलिस फोर्स पहुंची।

बाथरूम में एक एंड्रायड मोबाइल रखा गया था, जिसका कैमरा ऑन था। कैमरे का फेस टॉयलेट की तरफ था। छात्रा का आरोप है कि मोबाइल चेक करने पर कई लड़कियों के वीडियो भी मिले हैं। जिन्हें पुलिस ने डिलीट भी कराया है। कुछ वीडियो वायरल भी हो रहे हैं। पूछताछ में पता चला कि हॉस्टल की वार्डन ने अपना मोबाइल बाथरूम में रिकॉर्डिंग ऑन करके रखा था। वार्डन ने पुलिस को बताया कि लड़कियों के इधर-उधर सेनेटरी पैड फेंकने की वजह से रात में 10 बजे मोबाइल रिकॉर्डिंग मोड में ऑन करके बाथरूम में लगाया था।

एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि मोहद्दीपुर स्थित उत्तम गर्ल्स हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं ने तहरीर दी। जिसके आधार पर बुधवार की शाम वार्डन आरती सिंह के खिलाफ एफआई-आर कैंट थाने में दर्ज कर ली गई है। शिकायत पत्र हॉस्टल की वार्डन द्वारा बाथरूम में मोबाइल रखकर कैमरा लगाकर छात्राओं का नहाते व फ्रेश होते समय वीडियो रिकॉर्ड कर प्राइवेसी भंग करने के सम्बन्ध में दिया गया है।

फास्ट न्यूज

रशियन नागरिक ने काशी में कराया पिता का त्रिपिंडी श्राद्ध

वाराणसी । वाराणसी के पिशाचमोचन तीर्थ पर रूस की रहने वाले नीना ने ऑनलाइन माध्यम से अपने पिता एंड्रे का त्रिपिंडी श्राद्ध कराया। इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध में मृत आत्माओं की शान्ति के लिए भी विशेष पूजा और श्राद्ध कराया। पंडित आशापति शास्त्री के सानिध्य में यह पूजा ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न कराई गई। जिसमें नीना रशिया से ऑनलाइन जुड़ी रहीं।

अजय राय बोले- श्मशान घाट तक में हो रहा भ्रष्टाचार

गोरखपुर। गोरखपुर के राजघाट स्थित अंत्येष्टि स्थल पर गुंबद गिरने से दो अधिवक्ताओं की दर्दनाक मौत ने पूरे शहर को झकझोर दिया है। इस हृदयविदारक घटना के बाद जहां एक ओर शोक और आक्रोश का माहौल है, वहीं दूसरी ओर राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। गुरुवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय गोरखपुर पहुंचे और मृतक अधिवक्ता संजय सिंह और आलोक अस्थाना के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 10 साल की जेल

गाजीपुर । गाजीपुर के नोनहरा थाना क्षेत्र में आठ साल पुराने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पॉक्सो कोर्ट ने फैसला सुनाया है। पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश राम अवतार की अदालत ने आरोपी संजीव राव उर्फ अन्नू को दोषी ठहराते हुए 10 साल के कारावास और 25 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

18 मीटर सड़क में बाधा बने मकान पर बुलडोजर चला

खोराबार टाउनशिप योजना में बन रही है रोड

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर विकास प्राधिकरण (GDA) की खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी योजना में बन रही 18 मीटर चौड़ी सड़क के निर्माण में बाधा बने एक मकान को गुरुवार को तोड़ दिया गया। योजना के प्रवेश द्वार पर ही यह अतिक्रमण था। GDA उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल के निर्देश पर प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम मौके पर पहुंची और उस मकान पर बुलडोजर चलाया। मकान को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया है। अब वहां पर सड़क का निर्माण हो सकेगा।

प्राधिकरण की ओर से खोराबार क्षेत्र में आवासीय योजन विकसित की जा रही है। इसमें भूखंड के साथ फ्लैट की सुविधा भी है। भूखंडों का आवंटन काफी पहले की किया जा रहा है। इस समय वहां पर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का काम तेजी से किया जा रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप होने के बाद भूखंडों पर लोगों को कब्जा दिया जाएगा। देवरिया बाईपास से इस टाउनशिप को जोड़ा गया है। यहां 18 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जा रही है। इसके गेट पर ही अतिक्रमण किया गया था। कई बार नोटिस देने के बाद भी जब अतिक्र-मणकारी की ओर से अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो प्राधिकरण ने उसे तोड़ दिया। GDA उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल का कहना है कि किसी भी दशा में अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

लड़का हिंदू, लड़की मुस्लिम, 18 दिन से होटल में रुके थे, मैरिज सर्टिफिकेट भी मिला

प्रेमी-प्रेमिका ने एक फंदे पर लटककर जान दी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में प्रेमी-प्रेमिका ने होटल में सुसाइड कर लिया। दोनों के शव एक ही फंदे पर लटकते मिले। 22 साल का लड़का हिंदू और 19 साल की लड़की मुस्लिम थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों के परिवार रिश्ते के खिलाफ थे। इसके बाद दोनों हरदोई से भागकर लखनऊ पहुंचे।

18 दिन से होटल में कमरा लेकर रह रहे थे। बुधवार को दिनभर दोनों कमरे से बाहर नहीं निकले। रात 8 बजे होटल के कर्मचारी ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। फिर खिड़की से झांककर देखा तो दोनों फंदे से लटके हुए थे। उसने फोन करके पुलिस को बुलाया। दूसरी चाबी से कमरा खोला और शवों को फंदे से उतारा। मामला शहर के चिनहट के होटल रेड बिल्डिंग गेस्ट हाउस का है। पुलिस को कमरे में आर्य समाज मंदिर से शादी का सर्टिफिकेट मिला। सर्टिफिकेट में लड़की का नाम नरगिस उर्फ पूजा और लड़के का नाम अमित कुमार लिखा है। पुलिस ने दरवाजा खुलवाया। देखा तो पंखे के हुक से दुपट्टा बांधकर फंदा लगाया गया था। कमरे में कपड़े का एक बैग मिला। शादी का सर्टिफिकेट और सुसाइड नोट, कीपैड वाला मोबाइल फोन, उसका चार्जर समेत डेली यूज की चीजें मिलीं। सुसाइड नोट में दोनों का पता लिखा था। इसके बाद पुलिस ने हरदोई पुलिस से संपर्क किया। पता चला कि लड़की के पिता उस्मान ने 23 अगस्त को हरपा-लपुर थाने में अपहरण की शिकायत दी थी। इसमें बताया- 21 अगस्त की सुबह तीन बजे बेटी नरगिस घर पर मौजूद थी।

कपल हरदोई के रहने वाले, होटल कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला कि अमित कुमार (22) हरदोई के हरपालपुर, जबकि नरगिस (19) पालिया की रहने वाली थी। पुलिस ने बताया कि होटल कर्मचारी राकेश यादव ने फोन पर सूचना दी कि गेस्ट हाउस में युवक-युवती ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सूचना मिलते ही दरोगा धनंजय सिंह पुलिस टीम के साथ पहुंचे।

> पुलिस को सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें लिखा था- हम लोग अपनी मर्जी से सुसाइड करने जा रहे हैं। मरने के बाद हमारे परिवार को परेशान न किया जाए। दोनों ने सुसाइड नोट के आखिर में सिग्नेचर भी किया है।

कल्याणकारी योजनाओं, ई-श्रम पोर्टल और डिजिटल ऐप की जानकारी दी गई

श्रमिकों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए लगा शिविर

तमसा संकेत, एजेंसी

> श्रम विभाग ने सभी श्रमिकों से अपील की कि वे जल्द से जल्द अपना पंजीकरण और प्रोफाइल पूरी करें। ऐसा करके वे सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकते हैं।

अम्बेडकरनगर । अम्बेडकरनगर में गुरुवार को श्रम विभाग ने ग्राम पंचायत अटंगी (कर्मा जगदीशपुर) में एक श्रमिक जागरूकता और पंजीकरण शिविर लगाया। इसका मकसद श्रमिकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना और उन्हें पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में जागरूक करना था। यह पहल श्रमिकों को उनके अधिकारों और उपलब्ध लाभों के प्रति शिक्षित करने के लिए की गई।

शिविर में आए श्रमिकों को उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की अलग-अलग योजनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने विस्तार से बताया कि इन योजनाओं से श्रमिकों को कैसे फायदा मिल सकता है, जैसे कि बच्चों की शिक्षा के लिए सहायता, विवाह सहायता, मातृत्व लाभ और चिकित्सा सहायता।

अधिकारियों ने नए श्रमिक पंजीकरण और पुराने पंजीकरण के नवीनीकरण की पूरी प्रक्रिया समझाई। उन्होंने यह भी बताया कि इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए कौन-कौन से दस्तावेज जरूरी हैं और इसके लिए क्या पात्रता होनी चाहिए। इसमें आधार कार्ड, बैंक पासबुक और कार्य प्रमाण पत्र जैसे आवश्यक अभिलेखों की जानकारी दी गई। इसके अलावा, श्रमिकों को ई-श्रम पोर्टल के तहत आने वाली प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना के बारे में भी बताया गया। इस योजना के फायदे, पात्रता मानदंड और पंजीकरण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। पात्र श्रमिकों को इस महत्वपूर्ण पेंशन योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया ताकि वे बुढ़ापे में आर्थिक रूप से सुरक्षित रह सकें और उन्हें मासिक पेंशन का लाभ मिल सके।

यूपी डिजिटल लेबर चौक ऐप के बारे में भी जानकारी दी गई

शिविर में यूपी डिजिटल लेबर चौक ऐप के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। श्रमिकों को बताया गया कि वे इस ऐप को कैसे डाउनलोड कर सकते हैं, अपनी प्रोफाइल कैसे पूरी कर सकते हैं और इसकी डिजिटल सुविधाओं का लाभ कैसे उठा सकते हैं। यह ऐप श्रमिकों को रोजगार के अवसर ढूंढने, अपनी स्किल को अपडेट करने और अन्य सरकारी सेवाओं तक पहुंचने में मदद करता है।

लखनऊ के शराब कारोबारी को जान से मारने की कोशिश

वाराणसी । वाराणसी के मंडुआडीह थाने में लखनऊ के शराब कारोबारी अरविंद कुमार जायसवाल ने मुकदमा दर्ज कराया है। मुकदमा कोडीन कफ सिरप माफिया शुभम जायसवाल के सहयोगी जेल में बंद वैभव जायसवाल, उसकी पत्नी शिवांगी और मां राधिका के नाम पर दर्ज हुई है। आरोप है कि अपना बकाया 8 लाख रुपए मांगने पर पहले शुभम जायसवाल के नाम पर धमकी दी गयी। उसके बाद जब वह पैसा मांगने आया तो उसे बंधक बना लिया और मारपीट की गयी। किसी तरह उनके चंगुल से छूटा तो जान से मुझपर गोली चला दी।

फिलहाल पुलिस ने संबंधित धराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल में बंद वैभव की पत्नी और मां की तलाश शुरू कर दी है। लखनऊ के शराब कारोबारी अरविंद जायसवाल ने पुलिस कोई बताया - मेरी बी हाइव एन्क्लेव एलएलपी फर्म लखनऊ में है।

मेडिकल टीम की नाव के करीब पहुंचा विशाल घड़ियाल

10-12 फीट का दिखा, स्वास्थ्यकर्मी पर किया हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जिले में बाढ़ के बीच ग्रामीणों तक दवा और जरूरी स्वास्थ्य सामग्री पहुंचाने निकली एक मेडिकल टीम उस वक्त डर गई, जब नदी में मौजूद 10 से 12 फीट के एक विशाल घड़ियाल ने उनकी नाव पर अचानक हमला कर दिया। बाराबंकी के सीएमओ डॉक्टर रंजन गौतम ने बताया कि यह घटना रामसनेहीघाट तहसील क्षेत्र के मारून गांव की है। घड़ियाल के नाव पर हमला करते ही उसमें सवार स्वास्थ्यकर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। स्वास्थ्य विभाग 4 सदस्य की टीम बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में नाव के जरिए ग्रामीणों तक दवाएं और अन्य जरूरी सामान पहुंचाने जा रही थी।

नाव नदी के रास्ते आगे बढ़ रही थी, तभी पानी में मौजूद विशाल घड़ियाल अचानक नाव के बेहद करीब आ गया और उसने नाव पर हमला कर दिया। इस अचानक हुए हमले से नाव में बैठे स्वास्थ्यकर्मी घबरा गए। हालांकि, इस दौरान नाव चालक ने बहुत समझदारी दिखाई।

चालक ने बिना घबराए पतवार की मदद से घड़ियाल को नाव से दूर भगाने की कोशिश की। उसकी तेजी से घड़ियाल पीछे हट गया और नाव सुरक्षित आगे निकल सकी।

इस घटना में मेडिकल टीम के किसी भी सदस्य को चोट लगने की खबर नहीं है। सभी स्वास्थ्यकर्मी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। लेकिन नदी के बीच घड़ियाल के अचानक सामने आने की घटना ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में वन्यजीवों के खतरे को भी सामने ला दिया है।

मांग : अगस्त 2025 से अटके वेतन-भुगतान, सीएमओ कार्यालय पहुंचकर जताई नाराजगी

अम्बेडकरनगर में बकाया वेतन के लिए सीएचओ का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

अम्बेडकरनगर । अंबेडकरनगर में गुरुवार को कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स (सीएचओ) ने बकाया भुगतान की मांग को लेकर सीएमओ कार्यालय पर प्रदर्शन किया। सीएचओ वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से लंबे समय से रुके भुगतान का जल्द निपटारा करने की मांग की। उनका कहना था कि कई बार अधिकारियों को लिखित और मौखिक रूप से समस्या बताई गई, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष राहुल कुंतल ने बताया कि जिले में तैनात सीएचओ अगस्त 2025 से अपने विभिन्न बकाया भुगतानों को लेकर परेशान हैं। जरूरी दस्तावेज और संबंधित जानकारी विभाग को उपलब्ध कराई जा चुकी है। इसके बावजूद भुगतान लंबित रहने से सीएचओ को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जिला अध्यक्ष के मुताबिक, सीएचओ ने अपनी समस्याओं को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कई बार संपर्क किया। लिखित रूप से भी भुगतान से संबंधित जानकारी दी गई। इसके बाद भी अभी तक बकाया राशि के भुगतान को लेकर कोई स्पष्ट समाधान नहीं हुआ है। इसी नाराजगी के चलते गुरुवार को सीएचओ सीएमओ कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन किया।

एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि अगर तय समय में बकाया भुगतानों का निपटारा नहीं किया गया तो अलग-अलग चरणों में विरोध किया जाएगा। हालांकि, पदाधिकारियों ने साफ किया कि उनका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित करना या मरीजों को परेशान करना नहीं है। वे केवल लंबे समय से रुके कानूनी और जायज भुगतानों को जारी कराने की मांग कर रहे हैं।

अगस्त 2025 से कई मदों में अटका है पैसा

राहुल कुंतल ने बताया कि सीएचओ का सिर्फ वेतन ही नहीं, बल्कि कई दूसरे भुगतान भी लंबे समय से रुके हुए हैं। इनमें बकाया वेतन, इंक्रीमेंट, एरियर, लॉयल्टी भुगतान, धरना अवधि का वेतन और पीबीआई भुगतान शामिल हैं। एसोसि-एशन का कहना है कि इन सभी मदों से जुड़े जरूरी कागजात पहले ही विभाग को दिए जा चुके हैं।

> प्रदर्शन के दौरान एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कुमुद कुमार, कार्यकारिणी सदस्य राज वर्मा समेत अन्य पदाधिकारियों ने भी बकाया भुगतान जल्द जारी करने की मांग की। पदाधिकारियों ने कहा कि सीएचओ लंबे समय से अपने जायज भुगतान का इंतजार कर रहे हैं। विभाग को इस मामले में जल्द निर्णय लेकर सभी लंबित भुगतान का निपटारा करना चाहिए।

शौच के लिए गया युवक नाले में गिरा मौत पैर फिसलने से संतुलन बिगड़ा

गोताखोरों ने घंटों बाद निकाला शव

तमसा संकेत, एजेंसी

अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर में नाले में डूबने से युवक की मौत हो गई। नंदलाल सुबह करीब 6 बजे शौच के लिए थिरुआ नाले की ओर गया था। नाले के किनारे पहुंचते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और संतुलन बिगड़ने से वह पानी में जा गिरा। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन पानी ज्यादा होने के कारण सफल नहीं हो सके।

युवक के डूबने की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। स्थानीय गोताखोरों को बुलाकर नाले में उसकी तलाश शुरू की गई। काफी देर तक खोजबीन के बाद गोताखोरों ने शव को पानी से बाहर निकाला। शव मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना टांडा थाना की है। बताया गया कि नंदलाल उर्फ पप्पू गुरुवार सुबह करीब 6 बजे घर से शौच के लिए थिरुआ नाले की ओर गया था। नाले के किनारे पहुंचने के दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया। संतुलन बिगड़ने के बाद वह नाले के गहरे पानी में जा गिरा और डूब गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन पानी अधिक होने के कारण युवक तक पहुंचना मुश्किल हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही नंदलाल के परिजन और आसपास के लोग नाले के पास पहुंच गए। परिजनों ने स्थानीय गोताखोरों को सूचना देकर शव की तलाश शुरू कराई। देवेंद्र कुमार उर्फ पप्पू की देखरेख में गोताखोर अभय मांझी, फिरतू मांझी, नेब लाल, वाहिद और अलख मांझी मौके पर पहुंचे। सभी ने नाले में उतरकर युवक की तलाश शुरू की।

नाले में पानी ज्यादा होने के कारण गोताखोरों को शव तलाशने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। काफी देर तक अलग-अलग जगहों पर खोजबीन करने के बाद गोताखोरों ने नंदलाल का शव पानी से बाहर निकाल लिया। शव बाहर आते ही मौके पर मौजूद परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

सम्पादकीय

रेल सेवा का विस्तार

देश के व्यस्त रेल मार्गों पर यातायात के दबाव को देखते हुए सात रेल मार्गों को चार लेन का बनाने का फैसला समय की मांग के अनुरूप है। इस फैसले पर अमल से ट्रेनों की क्षमता बढ़ाने और यात्रा को ज्यादा सुगम बनाने में तो सहायता मिलेगी ही, ट्रेनों के लेट होने की समस्या का भी समाधान होगा। चूंकि जिन सात रेल मार्गों को चार लेन का करने का निर्णय लिया गया, वे सभी अति व्यस्त रेल रूट हैं, इसलिए देश के अनेक बड़े शहरों को इसका लाभ मिलेगा। उल्लेखनीय यह भी है कि इससे यातायात के साथ माल ढुलाई भी बेहतर होगी। केंद्रीय कैबिनेट ने रेल सेवा के आधुनिकीकरण को ध्यान में रखते हुए तीन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। इनके पूरा होने से भारतीय रेलवे के नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी।

समय के साथ जिस तरह आवाजाही तेजी के साथ बढ़ रही है, उसे देखते हुए रेल सेवा के आधुनिकीकरण और उसके विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह सही है कि सड़क यातायात अपेक्षाकृत सुगम होने के साथ हवाई सेवाएं भी नए-नए शहरों में पहुंच रही हैं, लेकिन भारत सरीखे बड़े और विशाल आबादी वाले देश में रेल सेवा का कोई विकल्प नहीं।

आज भी बड़ी संख्या में लोग रेल से यात्रा करना पसंद करते हैं, लेकिन ट्रेनों में सीटों की उपलब्धता में कमी के कारण कुछ लोगों को मजबूरी में सड़क या हवाई सेवा का चयन करना पड़ता है। त्योहारों और अन्य विशेष अवसरों पर ट्रेनों में सीटें मिलना अभी भी कठिन बना हुआ है। एक समस्या उनकी लेट-लतीफी भी है। इसका कारण पर्याप्त रेल मार्ग न होना है। देश के अनेक क्षेत्र ऐसे हैं, जो अभी रेल सेवा से नहीं जुड़ सके हैं। कुछ बड़ी आबादी वाले क्षेत्र ऐसे हैं, जहां तक जाने के लिए ट्रेन कठिनाई से उपलब्ध होती है। इसे देखते हुए रेल सेवा का विस्तार कहीं अधिक तेजी से होना चाहिए। इसके पहले रेल मंत्री ने यह जानकारी दी थी कि स्वदेशी बुलेट ट्रेन का परीक्षण अगले वर्ष मई-जून में होगा और यदि सब कुछ सही रहा तो दिसंबर में उसका संचालन शुरू हो जाएगा। यह एक उपलब्धि तो होगी, लेकिन यह ध्यान रहे कि बुलेट ट्रेन परियोजना को साकार करने में देर हुई है। जापान, चीन और यूरोपीय देश न जाने कब से प्रमुख मार्गों पर बुलेट ट्रेन चला रहे हैं। इसी तरह एक सच्चाई यह भी है कि इन देशों में सामान्य ट्रेनों की औसत गति भारत के मुकाबले कहीं अधिक है। यह ठीक है कि पिछले कुछ वर्षों में चुनिंदा ट्रेनों की रफ्तार बढ़ी है, लेकिन अभी कुल मिलाकर उनकी गति सीमा दो सौ किमी प्रति घंटे के अंदर ही है और कुछ ट्रेनों को तो सुरक्षा कारणों से तय गति से कम रफ्तार में ही चलाने की मजबूरी है।

सामायिक दिवस

सामायिक बहुत कठिन हैं, क्योंकि दिन में चार- छह घंटे क्या , सामायिक बहुत कठिन हैं, क्योंकि दिन में चार- छह घंटे क्या , चार- छह मिनट भी समता भाव में रह पाना कठिन होता हैं । अरविंद आश्रम में एक विदेशी आया और श्री मां से प्रार्थना की आप मुझे कोई मुश्किल काम दें । सरल काम में मेरी रुचि नहीं हैं । मां ने सुना तो कहा कि तुम आत्मस्थ रहो, अपनी आत्मा में रहो, तुम्हारे लिए मैं यह काम दे रही हूं । आत्मा में रहना , अपने आप में रहना कोई सरल काम नहीं हैं । सामायिक पॉजिटिव एटीटयुड़ की अद्भुत साधना हैं।सक्सेसफूल लाइफ का उन्मेष सामायिक हैं । सामायिक हमारी कॉन्फ़िडेंस पावर को बढ़ाता हैं । सामायिक से 92 करोड़ 59 लाख 25 हजार 925 पल्योंपम के अशुभ कर्म दूर होते हैं । वह सामायिक से विश्व की समस्याओं का समाधान संभव हैं । 48 मिनट की समायिक से 84 लाख के अशुभ कर्म कर्म दूर होते हैं । समया धम्म मुदाहरे मुणी । भगवान ने समता को धर्म कहा है । सामायिक समता के विकास की साधना है । यह संवर की साधना है । सामायिक में साधक एक मुहूर्त्त 48 मिनट के लिए सावद्य योग का त्याग करता है । 18 पाप का सेवन सावद्य योग हैं । राग द्वेष से वशीभूत चित्त बार बार विषमता में चला जाता है क्योंकि चित्त बहुधा भौतिकता की सन्निधि से भावित रहता है । सामायिक आत्मा की सन्निधि में रहने का आयास है । आत्मा की सन्निधि का अर्थ है धर्म की सन्निधि, स्वभाव की सन्निधि । आत्मा की सन्निधि से कलुषता मिटती है एवं चित्त निर्मल होता है । सामायिक का उद्देश्य है चित्त की निर्मलता । हम सामायिक की साधना को प्रज्वलित रूप दें । समता की साधना को एक व्यवस्था के साथ करें एवं संकल्प के साथ करें । हमें इस तथ्य का भी स्पष्ट बोध होना चाहिए कि विषमता के कारण ये हैं । व्यक्ति सामायिक करता चला जाए और उसे यह ज्ञात न हो कि विषमता के कारण क्या हैं? सावद्य प्रवृत्ति आखिर हैं क्या ? इस स्थिति में वह समता को कैसे साध पाएगा? सावद्य प्रवृत्ति का एक वर्गीकरण भगवान् महावीर ने दिया - उसे मनोविज्ञान की भाषा में कहा जाए तो वह निषेधात्मक भावों का एक श्रेष्ठ वर्गीकरण हैं । अठारह सावद्य प्रवृत्तियों का या मनोविज्ञान की भाषा में निषेधात्मक भावों का चित्र हमारे सामने स्पष्ट रहें । हम एक - एक सावद्य प्रवृत्ति को जानें, यह सबसे पहले अपेक्षित हैं।

› प्रदीप छाजेड़

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

यही कारण है कि भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन कूटनीतिक संतुलन है। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं।

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है-लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है।

ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है। विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स का वजन बढ़ रहा है, लेकिन समूह के भीतर आपसी व्यापार अभी भी उसकी संभावित क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक मजबूत और विविध बनाने, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। जयपुर में हुई ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकनोमिक पार्टनरशिप 2030, एमएसएमई के लिए वित्तीय सुविधा और अधिक संतुलित व्यापार जैसे मुद्दों पर प्रगति हुई है।

यहां 'डी-डॉलराइजेशन' का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत का दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक है। भारत किसी नई साझा ब्रिक्स मुद्रा के निर्माण की जल्दबाजी में नहीं है। इसके बजाय सीमा-पार डिजिटल भुगतान की ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर जोर है, जिससे सदस्य देश अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में अपेक्षाकृत सुगम व्यापार कर सकें। यह दृष्टिकोण अमेरिकी डॉलर के खिलाफ किसी राजनीतिक मोर्चेबंदी से अधिक वित्तीय स्वायत्तता और लेन-देन की सुविधा का प्रयास है। परंतु ब्रिक्स की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आंतरिक विविधता और मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा एवं रणनीतिक अविश्वास की विरासत अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष, ईरान से जुड़े तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां भी ब्रिक्स के लिए साझा राजनीतिक रुख बनाना कठिन बनाती हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट में ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अलग-अलग हित हैं। ऐसे में ब्रिक्स यदि हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत नहीं हो पाता तो यह उसकी सीमाओं को उजागर करेगा। भारत का हित किसी एक शक्ति-ध्रुव के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता मजबूत करने में है। ब्रिक्स को यदि केवल 'पश्चिम के विकल्प' के रूप में प्रस्तुत किया गया तो उसकी स्वीकार्यता सीमित हो सकती है, लेकिन यदि वह वैश्विक दक्षिण के विकास, शांति, तकनीकी समानता और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व का मंच बनता है, तो उसका महत्व कहीं अधिक बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका तर्क है कि बीसवीं सदी में बनाई गई संस्थाओं को इक्कीसवीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप बदलना होगा। आज विश्व अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान बढ़ा है, यदि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता तो संस्थाओं की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं।

– ललित गर्ग

इस सांगठनिक उथल...

अशोक भाटिया

बहुजन राजनीति का असमंजस और बीएसपी का आंतरिक संकट

उत्तर प्रदेश की राजनीति में सामाजिक न्याय और वंचितों की आवाज बनकर उभरी बहुजन समाज पार्टी आज अपने इतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। कभी सूबे की सत्ता पर पूर्ण बहुमत से राज करने वाली और देश की तीसरी सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा रखने वाली बीएसपी इस समय केवल चुनावी मोर्चों पर ही नहीं, बल्कि अपने सांगठनिक ढांचे के भीतर भी एक गंभीर अंतर्विरोध से जूझ रही है। पार्टी सुप्रीमो मायावती द्वारा हाल ही में लखनऊ की राष्ट्रीय बैठक में लिए गए फैसले—विशेषकर अपने भतीजे और घोषित उत्तराधिकारी आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद से हटाना और उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ पर कार्रवाई करना—इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि हाथी के कुनबे में सब कुछ ठीक नहीं है। यह घटनाक्रम केवल एक परिवार के भीतर का कलह नहीं है, बल्कि यह उस राजनीतिक दल के वैचारिक भटकाव और सांगठनिक ठहराव को दर्शाता है जिसने कभी 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' के नारे के साथ देश की सत्ता संरचना को चुनौती दी थी। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बीएसपी के भीतर मची यह उथल-पुथल पार्टी के भविष्य और दलित राजनीति की दिशा पर कई गंभीर सवाल खड़े करती है। इस संकट के केंद्र में आकाश आनंद को लेकर लिया गया 'यू-टर्न' और सांगठनिक नेतृत्व का संकट है। मायावती ने आकाश आनंद को 'राजनीतिक रूप से अपरिपक्व' बताते हुए उन्हें बड़ी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया। यह पहली बार नहीं है जब आकाश आनंद को प्रमोट करने के बाद अचानक पीछे धकेला गया हो। पिछले कुछ वर्षों में यह सिलसिला लगातार देखने को मिला है, जिससे पार्टी कैडर और समर्थकों के बीच नेतृत्व को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए उसका उत्तराधिकारी उसकी भविष्य की दिशा तय करता है, लेकिन बीएसपी में उत्तराधिकार का यह खेल एक अस्थिर चक्रव्यूह बन गया है। आकाश आनंद ने अपनी रैलियों और बयानों के जरिए पार्टी में एक नया जोश फूंकने और युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया था, लेकिन उनके आक्रामक तेवरों को पार्टी के भीतर ही एक खतरे के रूप में देखा गया या फिर उसे अपरिपक्वता का नाम दे दिया गया। इस फैसले के बाद आकाश आनंद द्वारा अपने सोशल मीडिया बायो को 'बीएसपी कार्यकर्ता' से बदलकर 'बीएसपी समर्थक' करना इस बात की तस्दीक करता है कि शीर्ष नेतृत्व और नई पीढ़ी के बीच वैचारिक पटरी पूरी तरह बैठ नहीं पा रही है।

इस पूरे विवाद का एक दूसरा और अधिक चिंताजनक पहलू पारिवारिक गुटबाजी और महत्वाकांक्षाओं का टकराव है। मायावती ने सार्वजनिक रूप से आकाश आनंद के ससुर और पार्टी के वरिष्ठ नेता अशोक सिद्धार्थ पर आरोप लगाया कि वे आकाश के साथ मिलकर ऐसी गतिविधियों में लिप्त थे जिससे पार्टी के मूवमेंट को नुकसान पहुंच रहा था। राजनीति में परिवारों का प्रभाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन बीएसपी जैसी कैडर-बेस्ड पार्टी में जब फैसले नीतिगत चर्चाओं के बजाय पारिवारिक वफादारियों और संदेहों के आधार पर होने लगें, तो वह पार्टी के पतन की गति को तेज कर देता है। मायावती द्वारा रखी गई यह शर्त कि यदि अशोक सिद्धार्थ राजनीति से पूरी तरह संन्यास ले लेते हैं, तभी आकाश आनंद की वापसी पर विचार किया जाएगा, यह दर्शाती है कि पार्टी के भीतर फैसले अब लोकतांत्रिक या सांगठनिक मानदंडों पर नहीं, बल्कि व्यक्तिगत शर्तों पर हो रहे हैं। इस आंतरिक खींचतान के बीच आकाश के छोटे भाई ईशान आनंद को अचानक बैठकों में प्रमुखता देना इस बात का प्रमाण है कि बीएसपी का नेतृत्व संकट गहराता जा रहा है और पार्टी एक व्यक्ति केंद्रित व्यवस्था से निकलकर पारिवारिक उलझनों में फंस गई है।

इस सांगठनिक उथल-पुथल का सबसे बड़ा नुकसान बीएसपी के उस जमीनी कैडर को हो रहा है जो पार्टी की असली ताकत रहा है।

योजना के ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान बना आजमगढ़ में स्वरोजगार से स्वावलंबन का नया अध्याय

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से जनपद आजमगढ़ में युवाओं के स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तीकरण का एक नया परिदृश्य आकार ले रहा है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के संकल्प के साथ शुरू किया गया 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' (सीएम युवा) जनपद के शिक्षित एवं हुनरमंद युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। इस अभियान का मूल ध्येय युवाओं की असीम ऊर्जा को सकारात्मक दिशा प्रदान कर ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना को गति देना तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसरों का सृजन करना है। जनपद आजमगढ़ में उद्यमशीलता को जमीनी स्तर पर प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित इस योजना के माध्यम से युवाओं को नौकरी की तलाश करने के बजाय स्वयं 'रोजगार प्रदाता' बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रतिवर्ष एक लाख तथा आगामी एक दशक में दस लाख नए सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के निर्धारित लक्ष्य में आजमगढ़ अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह दूरदर्शी नीति न केवल जनपद की ग्रामीण प्रतिभाओं के महानगरों की ओर होने वाले आर्थिक पलायन को रोकने में मील का पत्थर साबित हो रही है, बल्कि प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की सुदृढ़ अर्थव्यवस्था बनाने के व्यापक संकल्प में भी जनपदीय स्तर पर ठोस योगदान दे रही है। योजना की पात्रता और स्वरूप को अत्यंत सरल, पारदर्शी एवं सर्वसमावेशी रखा गया है, जिससे जनपद आजमगढ़ का सामान्य पृष्ठभूमि का युवा भी बिना किसी प्रशासनिक बाधा के अपने उद्यम का सपना साकार कर सके। इसके तहत उत्तर प्रदेश के 21 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे सभी स्थायी निवासी आवेदन के पात्र हैं, जिन्होंने न्यूनतम आठवीं कक्षा तक की औपचारिक शिक्षा पूर्ण कर ली हो। योजना के अंतर्गत जनपद के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), पॉलिटेक्निक संस्थानों तथा उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन से प्रशिक्षित युवाओं को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि उनके तकनीकी हुनर को सीधे उत्पादक और लाभकारी इकाइयों में रूपांतरित किया जा सके। उद्यम की स्थापना में आरंभिक वित्तीय बाधाओं को दूर करने के लिए योजना में अत्यंत उदार वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। अभियान के अंतर्गत विनिर्माण उद्योग, सेवा क्षेत्र, व्यावसायिक फ्रेंचाइजी तथा 'बिजनेस ऑन व्हील्स' जैसी विभिन्न वाणिज्यिक गतिविधियों को शामिल किया गया है। योजना के प्रथम चरण में 5 लाख तक की परियोजनाओं के लिए चार वर्षों की अवधि हेतु शत-प्रतिशत ब्याज-मुक्त और पूर्णतः गारंटी-मुक्त संस्थागत ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही परियोजना की कुल लागत पर दस प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान के रूप में वहन की जा रही है। सफल संचालन और समयबद्ध ऋण अदायगी के पश्चात उद्यमियों को अपने कारोबार के विस्तार के लिए द्वितीय चरण में 10 लाख तक के वित्तीय पोषण की सुविधा भी दी जा रही है।

जरा हटके

औरैया जनपद के...

केवल

स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन में प्रदेश के सेनानियों के ऐतिहासिक स्थलों की बनेगी सर्किट, आजादी की गाथा और पर्यटन का होगा नया आकर्षण

मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को पर्यटन से जोड़कर नई पहचान देने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों को स्वतंत्रता संग्राम सर्किट के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में उन स्थानों का पर्यटन विकास कराया जा रहा है, जहां स्वतंत्रता आंदोलन की महत्वपूर्ण घटनाएं हुई और वीर सेनानियों ने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी थी।

मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में पर्यटन विभाग का उद्देश्य इन स्थलों को केवल स्मारकों तक सीमित रखना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसे पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित करना है, जहां आने वाले पर्यटक स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को करीब से जान सकें और महसूस कर सकें। इसके लिए बेहतर कनेक्टिविटी, वे-फाइंडिंग, सौंदर्यीकरण, पर्यटक सुविधाओं और इतिहास की जानकारी देने वाले व्याख्या केंद्रों पर जोर दिया जा रहा है।

प्रदेश के वाराणसी पिण्डरा क्षेत्र के करखियांव गांव में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थल का पर्यटन विकास कराया जा रहा है। परियोजना के लिए 18.26 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें से 8 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। गांव, में शहीद हुए 26 लोगों की स्मृति में यहां एक म्यूरल पार्क भी बनाया जा रहा है, जिसमें उनकी वीरगाथाओं को म्यूरल के माध्यम से उकेरा जाएगा। रायबरेली सदर क्षेत्र तहसील ऊंचाहार के मुंशीगंज स्थित शहीद स्मारक स्थल का 4.51 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटन विकास का कार्य कराया जा रहा है। परियोजना का करीब 85 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। यह स्थल क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम और शहीदों की स्मृति को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लखनऊ जनपद के उमरिया मजरे मुसपिपरी गांव में अमर शहीद राजा दिग्विजय सिंह स्मारक का पर्यटन विकास का कार्य कराया जा रहा है। परियोजना के लिए करीब 1 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें 55 लाख रुपये जारी हो चुके हैं। स्मारक के विकास से स्थानीय स्तर पर स्वतंत्रता संग्राम की विरासत को नई पहचान मिलेगी।

औरैया जनपद के मुख्यालय स्थित ककोर तिरंगा पार्क, मैदान का जिला योजना के तहत पर्यटन विकास कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन और राष्ट्रध्वज से जुड़ी भावनाओं को नई पीढ़ी से जोड़ते हुए स्थल को आकर्षक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना है। बलिया में सिताबदियारा लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जन्मस्थली है। स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में उनके महत्वपूर्ण योगदान और राष्ट्र निर्माण की भूमिका को देखते हुए उनके गांव में पर्यटन विकास के माध्यम से उनकी विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित किया जा रहा है। इसी क्रम में सेवादास धाम मंदिर का भी पर्यटन के दृष्टिगत विकास कराया जा रहा है। शाहजहांपुर जनपद के पुवायां विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जसवंतपुर में शहीद करतम सिंह पार्क का 79 लाख रुपये की लागत से निर्माण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य कराया गया है। इस पार्क को शहीद की स्मृति को संजोने के साथ-साथ स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए महत्वपूर्ण स्थल के रूप में विकसित किया गया है। हरदोई ग्राम सेमरिया स्थित शहीद स्थल का 41 लाख रुपये की लागत से पर्यटन के रूप में विकास कराया गया है। विकास कार्यों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन से जुड़ी स्थानीय स्मृतियों को संरक्षित करने का प्रयास किया गया है।

जनपद बलिया स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन के नायक मंगल पाण्डेय से जुड़े स्मारक स्थल का 1.55 करोड़ रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण कराया गया है। इससे बलिया की स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली विरासत को पर्यटन से जोड़ने में मदद मिलेगी। बलिया जनपद के बांसडीह में वीर कुंवर सिंह के नाम पर शहीद स्मारक का निर्माण एवं पर्यटन विकास का कार्य 86 लाख रुपये की लागत से कराया गया है। यह स्थल स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों की स्मृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

प्रदेश सरकार पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के माध्यम से प्रदेश के नायकों, महापुरूषों एवं आजादी की लड़ाई में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि के रूप में उनकी स्मृति को सजोने का कार्य कर रही है। इसके अलावा युवा पीढ़ी तक उनके त्याग एवं बलिदान की गाथा को पहुंचाने के लिए उपयुक्त स्थलों पर उनके स्मारक बनवाये जा रहे हैं। साथ ही उनकी प्रतिमा स्थापित कराकर उनके योगदान को स्मरण किया जा रहा है। देश पर अपने प्राण को न्यौछावर करने वाले राष्ट्रनायक हमारी गौरवशाली विरासत का हिस्सा हैं। नई पीढ़ी को इनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए।

उत्तर प्रदेश में आजादी के शहीदों की एक लम्बी श्रृंखला है। प्रत्येक शहीद महापुरूषों ने अपने विभिन्न महान कार्यों से देश को आजाद कराने में योगदान दिया। यह हमारे लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। इनके त्याग और बलिदान के फलस्वरूप देश को आजादी मिली। आज हम खुली हवा में सांस लेते हुए उनके योगदान को स्मरण कर रहे हैं। इन वीरों को कठोर सजाएं एवं यातनाएं दी गयी, इसके बावजूद उन्होंने मातृभूमि के लिए संघर्ष जारी रखा। प्रदेश सरकार देश एवं प्रदेश के ऐसे वीरों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए उनके स्मारक आदि का निर्माण करा रही है। साथ ही उनसे जुड़े स्थलों का सौन्दर्यीकरण कराकर वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ी को उनके योगदान से परिचित करा रही है। पर्यटन विभाग इसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित कर रहा है।

7,500 से 25 हजार स्टाइपेंड करने की मांग, दूर-दराज से आए मरीज बिना इलाज लौटे

इंटर्न के प्रदर्शन से ओपीडी बंद, मरीज परेशान

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में स्टेट नेशनल होम्योपैथिक कॉलेज एंड हॉस्पिटल में गुरुवार को इंटर्न मेडिकोज ने प्रदर्शन किया। इस दौरान OPD बंद रही। इलाज और दवा के लिए पहुंचे मरीजों को बिना डॉक्टर को दिखाए लौटना पड़ा। हरदोई समेत दूर-दराज से आए मरीज घंटों परेशान रहे। मरीजों का कहना है कि प्रदर्शन कर रहे इंटर्न की मांगों का जल्द समाधान होना चाहिए, लेकिन OPD बंद होने से इलाज नहीं रुकना चाहिए।

इंटर्न स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्हें अभी हर महीने 7,500 रुपए मिलते हैं। वे इसे बढ़ाकर 25 हजार रुपए करने की मांग कर रहे हैं। कहकशां ने बताया कि वह सुबह जल्दी बच्ची को दिखाने और उसका अल्ट्रासाउंड कराने अस्पताल पहुंची थीं। यहां OPD बंद मिली। उन्हें बताया गया कि 4 से 5 दिन तक काम बंद रहेगा। दुबग्गा से अपनी पत्नी को दिखाने आए सुफियान ने बताया कि अस्पताल बंद होने से मरीजों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन कर रहे लोगों की जो भी मांगें और परेशानियां हैं, उन्हें सरकार के सामने रखा जाना चाहिए, ताकि उनका समाधान हो सके। मरीजों की परेशानी को देखते हुए सरकार को इस मामले में जल्द फैसला करना चाहिए। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि वे करीब 15 साल से अपनी मांगों को लेकर परेशान हैं। उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाकर समाधान कराने का प्रयास होना चाहिए। राजकीय नेशनल होम्योपैथिक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विजय कुमार पुष्कर ने बताया कि इंटर्न डॉक्टरों के स्टाइपेंड बढ़ाने को लेकर शासन को पहले ही अवगत कराया जा चुका है।

लखनऊ के नेशनल होम्योपैथी कॉलेज एंड हॉस्पिटल में OPD बंद करा इंटर्न कर रहे प्रदर्शन।

कई स्तर पर उठा चुके हैं मांग

इंटर्न काजल यादव ने बताया कि स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर कई दिनों से प्रदर्शन किया जा रहा है। पहले कॉलेज कैंपस में, फिर चौराहे पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक से मिलकर भी मांग रखी गई थी। उन्होंने भरोसा दिया था, लेकिन अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ। काजल ने बताया कि एक दिन पहले GPO पर भी प्रदर्शन किया गया था। इसके बाद सुनवाई नहीं हुई तो OPD बंद करने का फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि मरीजों की परेशानी को लेकर उन्हें पूरी सहानुभूति है।

कीर्तिका पांडेय ने बताया कि दूसरे राज्यों में होमियोपैथी सहित आयुष की सभी को बढ़ावा दिया जा रहा है। पर अपने प्रदेश में ऐसा नहीं है। NEET क्वालीफाई करके यहां दाखिला मिला है। सभी से बराबरी का बर्ताव होना चाहिए।

इंटर्न ने OPD बंद कर नारेबाजी की।

मरीज बोले- बिना इलाज लौटना पड़ा

हरदोई से आए विनोद कुमार ने बताया कि उन्हें एलर्जी की समस्या है। इसी अस्पताल से दवा लेते हैं और उससे फायदा होता है। गुरुवार को दवा लेने आए थे, लेकिन इलाज नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि उनके सामने करीब 400-500 मरीज बिना दवा लिए लौट गए। माया देवी दोनों पैरों में दर्द की शिकायत लेकर डॉक्टर को दिखाने पहुंची थीं। उन्होंने बताया कि OPD बंद होने के कारण डॉक्टर को नहीं दिखा पाईं। अब बिना दवा लिए ही लौटना पड़ेगा।

रायबरेली की जनता और महिलाओं के साथ अन्यायपूर्ण राजनीति कर रहे राहुल गांधी

योगी सरकार के मंत्री ने किया करारा पलटवार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेता एवं रायबरेली के सांसद राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि रायबरेली की दिशा बैठक में राहुल गांधी का जोर जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर उन्हें गति देने के बजाय 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी योजनाओं में खामियां तलाश कर राजनीति करने पर अधिक रहा। मंत्री ने कहा कि बैठक में राहुल गांधी के रवैये से निराशा हुई।

राज्यमंत्री ने कहा कि दिशा बैठक में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम की चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने संबंधित अधिकारी से पूछा कि इस योजना में क्या होता है। यदि दिशा समिति के अध्यक्ष को ही योजना की जानकारी नहीं होगी तो उसका अनुश्रवण और समन्वय कैसे होगा। इसके बाद राहुल गांधी ने योजना के प्रचार-प्रसार पर होने वाले खर्च को जानने पर अधिक जोर दिया। इससे ऐसा लगा कि योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के बजाय उसमें खामी तलाशना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि बेटियों और मातृशक्ति के सम्मान से जुड़ा अभियान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है।

फास्ट न्यूज

सिविल अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी का आगाज

लखनऊ । लखनऊ में स्वाइन फ्लू को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। बुखार होने पर लोग पैनिक न करें और मास्क लगाकर सावधानी बरतें। यह बात डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने गुरुवार को श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी OPD के शुभारंभ के दौरान कही। ब्रजेश पाठक ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार इलाकों में जाकर निगरानी कर रही हैं।

दरोगा ने भाजपा बूथ अध्यक्ष का सिर फोड़ा

सरोजनीनगर, लखनऊ। लखनऊ के बंथरा थाने के दरोगा सचिन यादव ने भाजपा के एक बूथ अध्यक्ष का सिर फोड़ दिया। उसके सिर पर पिस्टल की बट से मारा। बूथ अध्यक्ष को दरोगा के पीटने से बचाने आए उसके भाई को दरोगा की टीम ने लाठियों से पीटा। पत्नी के पेट पर लात मार दी, जिससे वह गिर गई। दरअसल, बूथ अध्यक्ष का अपने पड़ोसी से दिन में दुकान लगाने को लेकर झगड़ा हुआ था। वह शिकायत करने गया तो उसे पुलिस ने शिकायत लेकर जांच करने को कहा। उसके बाद जिससे झगड़ा हुआ था, वह भी थाने पहुंचा। तब दरोगा अपनी टीम के साथ पूछताछ करने पहुंचे थे।

छात्र को पिस्टल दिखाकर किडनैप की कोशिश

लखनऊ। लखनऊ के मल्हौर स्थित प्राइवेट यूनिवर्सिटी में BA-LLB सेकंड ईयर के छात्र ने अपने सहपाठी और उसके साथियों पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। छात्र का आरोप है कि उसे पिस्टल दिखाकर जबरन कार में बैठाने की कोशिश की गई। विरोध करने पर आरोपियों ने कॉलेज के बाहर मिलने और जान से मारने की धमकी दी।

सपा मुख्यालय के बाहर जेन-जी के समर्थन में पोस्टर

पोस्टर पर लिखा- जेन-जी का जनादेश बदलेगा उत्तर प्रदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । 2027 विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने युवाओं और खासकर जेन-जी वोटरों पर अपना फोकस बढ़ाना शुरू कर दिया है। राजधानी लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय के बाहर जेन-जी युवाओं के समर्थन में पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों पर लिखा है- "जेन-जी का जनादेश बदलेगा उत्तर प्रदेश।" पोस्टर के जरिए पार्टी की ओर से युवा मतदाताओं को राजनीतिक संदेश देने की कोशिश मानी जा रही है। विधानसभा चुनाव से पहले सपा लगातार युवाओं को अपने साथ जोड़ने की रणनीति पर काम करती नजर आ रही है।

सपा की नई रणनीति में युवाओं के साथ नए चेहरों को भी अधिक तवज्जो देने की तैयारी के संकेत मिल रहे हैं। पार्टी का फोकस ऐसे युवा मतदाताओं पर है, जो आने वाले विधानसभा चुनाव में अहम भूमिका निभा सकते हैं। मुख्यालय के बाहर लगाए गए पोस्टरों को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

नंद किशोर गुर्जर बोले- इसका मतलब भाजपा पर भरोसा है, योगी आदित्यनाथ जाति से ऊपर

'समाज मांग कर रहा है कुर्मी मुख्यमंत्री बनना चाहिए'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में कुर्मी समाज से मुख्यमंत्री बनाने की मांग के बीच भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर ने इसका समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि अगर कुर्मी समाज भाजपा से मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहा है तो यह अच्छी बात है। इसका मतलब है कि समाज को भाजपा पर भरोसा है। मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसका फैसला पार्टी करेगी। गुर्जर ने कहा कि कुर्मी समाज का व्यक्ति मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनना चाहिए, बिल्कुल बनना चाहिए।

योगी आदित्यनाथ को लेकर नंद किशोर गुर्जर ने कहा कि संत की कोई जाति नहीं होती। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ में कुर्मी, जाट,

गुर्जर और ब्राह्मण समेत सभी समाजों का प्रतिनिधित्व है। भगवा किसी जाति का प्रतीक नहीं है। उन्होंने कहा कि संत बनने के बाद जाति की पहचान से ऊपर उठकर व्यक्ति पूरे सनातन का प्रतिनिधित्व करता है। लगातार मिल रही जान से मारने की धमकियों के सवाल पर गुर्जर ने कहा कि वह ऐसी धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि विदेश में बैठे कुछ लोग उन्हें बम से उड़ाने और उनके पीछे नेटवर्क लगाए जाने जैसी धमकियां दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि धमकी देने वालों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी गई है और कार्रवाई की मांग की गई है।

> लोनी में नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म की घटनाओं का जिक्र करते हुए गुर्जर ने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं पर विपक्ष के नेताओं की ओर से अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं आई।सरकार की पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है।

2027 में सपा को लेकर किया बड़ा दावा

2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर गुर्जर ने कहा कि भाजपा का संगठन, विधायक और कार्यकर्ता चुनाव को लेकर सक्रिय हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर जातीय और धार्मिक राजनीति करने का आरोप लगाया। सपा की PDA रणनीति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि केवल पिछड़ा, दलित और अब पंडित की बात करने से वोट नहीं मिलेंगे, बल्कि जमीन पर इन वर्गों के साथ होने वाली घटनाओं पर भी विपक्ष को आवाज उठानी चाहिए।

गुर्जर ने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की स्थिति बेहद खराब होगी और उसे 27 सीटें भी नहीं मिलेंगी।

ब्राह्मण मुद्दे पर भी सपा को घेरा

ब्राह्मणों के अपमान के आरोपों को लेकर पूछे गए सवाल पर गुर्जर ने समाजवादी पार्टी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों को प्रदेश की जनता भूली नहीं है। उन्होंने भाजपा सरकार पर ब्राह्मण समाज का सम्मान करने का दावा करते हुए कहा कि संत और ब्राह्मण समाज को लेकर राजनीति करने से सपा को कोई फायदा नहीं होगा।

राम मंदिर से जुड़े चंदे में कथित गड़बड़ी के सपा के आरोपों पर गुर्जर ने कहा कि मामले में जांच और कार्रवाई चल रही है।

सेवादारों ने निकलवाईं, डेढ़ महीने में तीसरी बार घटना, कुंड में जबरदस्त काई जमी

बुद्धेश्वर के सीताकुंड में फिर हजारों मछलियां मरीं

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । पारा बुद्धेश्वर महादेव मंदिर परिसर के ऐतिहासिक सीताकुंड में गुरुवार को एक बार फिर बड़ी संख्या में मछलियां मरी हुई मिलीं। स्थानीय लोगों के अनुसार, डेढ़ महीने के अंदर तालाब में बड़ी संख्या में मछलियों के मरने की यह तीसरी घटना है। लगातार हो रही इन घटनाओं के बावजूद तालाब की सफाई और पानी की जांच नहीं कराई जा रही है। सुबह तालाब की सतह पर बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां उतराती दिखीं। कुछ ही देर में मंदिर परिसर और आसपास के लोग वहां जमा हो गए। लोगों का

आरोप है कि तालाब की साफ-सफाई को लेकर मंदिर के प्रशासक एसडीएम सदर अभिषेक सिंह गंभीर नहीं है। तालाब में जोरदार काई जमी हुई है। मंदिर के पुजारी ने भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। लोगों का कहना है कि सीताकुंड धार्मिक आस्था से जुड़ा एक अहम स्थल है। ऐसे में बार-बार मछलियों की मौत की घटनाओं को नजरअंदाज करना चिंता की बात है। इस मामले में एसडीएम सदर अभिषेक सिंह का पक्ष जानने की कोशिश की गई, लेकिन 3 बार कॉल के बावजूद रिस्पॉन्स नहीं मिला।

मछलियों के मरने से बदबू फैल रही है

स्थानीय लोगों ने बताया कि मरी हुई मछलियों के तालाब में पड़े रहने से बदबू फैल रही है। इससे मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ आसपास रहने वाले लोगों को भी परेशानी हो रही है। लोगों ने आशंका जताई कि अगर समय पर सफाई नहीं हुई, तो गंदगी और बदबू के कारण स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

मरी हुई मछलियों को तालाब से बाहर निकलवाने के लिए सेवादार और व्यापार मंडल के पदाधिकारी आगे आए। सेवादार अंश लाला, बउवा कश्यप और बुद्धेश्वर उद्योग व्यापार मंडल के मंत्री प्रियांशु गुप्ता समेत कई लोगों ने मरी मछलियों को तालाब से बाहर निकाला। इसके बाद गड्ढा खोदकर मछलियों को जमीन में दबवा दिया गया।

> स्थानीय लोगों ने मांग की है कि तालाब के पानी की तुरंत जांच कराई जाए। साथ ही मछलियों की मौत के असली कारण का पता लगाया जाए। तालाब की नियमित सफाई और पानी की गुणवत्ता की निगरानी की व्यवस्था करने को भी कहा।

विजिलेंस ने आजम खान पर की एफआईआर

हज समिति की जमीन बेचने में गड़बड़ी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति की जमीन की बिक्री में गड़बड़ी के मामले में विजिलेंस ने सपा नेता और तत्कालीन हज समिति अध्यक्ष आजम खान समेत 5 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की है। विजिलेंस जांच में जमीन की बिक्री से समिति को 2.08 करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान की पुष्टि हुई है। आरोप है कि निजी फर्म को फायदा पहुंचाने के लिए जमीन की बिक्री में नियमों की अनदेखी की गई और पद का दुरुपयोग किया गया। विजिलेंस के लखनऊ सेक्टर में इंस्पेक्टर ध्रुव चंद्र मौर्य की तहरीर पर FIR दर्ज की गई है। मामला राजधानी के ऐशबाग क्षेत्र स्थित कायमखेड़ा (दुगांवा) की जमीन से जुड़ा है। यहां खसरा संख्या-117 में राज्य हज समिति की करीब 60 हजार वर्गफीट जमीन बताई गई है। जांच में सामने आया कि इस जमीन की बिक्री में नियमों का पालन नहीं किया गया। विजिलेंस के मुताबिक, इससे समिति को राजस्व का नुकसान हुआ।

FIR में तत्कालीन हज समिति अध्यक्ष आजम खान के अलावा तत्कालीन सचिव लईक अहमद और डॉ. एमएए खान को आरोपी बनाया गया है। आमिश डेवलपर्स के प्रोपराइटर मो. अयूब और मुस्तकीम अहमद को भी मामले में आरोपी बनाया गया है।

घटना : घर में घुसकर भाई को लाठी, पत्नी को लात मारी, झगड़े की जांच करने पहुंची थी टीम

दरोगा ने भाजपा बूथ अध्यक्ष का सिर फोड़ा

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनीनगर, लखनऊ । लखनऊ के बंथरा थाने के दरोगा सचिन यादव ने भाजपा के एक बूथ अध्यक्ष का सिर फोड़ दिया। उसके सिर पर पिस्टल की बट से मारा। बूथ अध्यक्ष को दरोगा के पीटने से बचाने आए उसके भाई को दरोगा की टीम ने लाठियों से पीटा। पत्नी के पेट पर लात मार दी, जिससे वह गिर गई। दरअसल, बूथ अध्यक्ष का अपने पड़ोसी से दिन में दुकान लगाने को लेकर झगड़ा हुआ था। वह शिकायत करने गया तो उसे पुलिस ने शिकायत लेकर जांच करने को कहा। उसके बाद जिससे झगड़ा हुआ था, वह भी थाने पहुंचा। तब दरोगा अपनी टीम के साथ पूछताछ करने पहुंचे थे।

> घटना बंथरा थाना क्षेत्र के खसरवारा गांव की बुधवार रात 11 बजे की है। भाजपा के पीड़ित बूथ अध्यक्ष अरविंद रावत ने इसकी शिकायत एसीपी से गुरुवार दोपहर की है। दरोगा की टीम के भाजपा बूथ अध्यक्ष के घर में घुसने और लोगों के साथ मारपीट करने के वीडियो शाम को सामने आए।

खसरवारा गांव के भाजपा बूथ अध्यक्ष अरविंद रावत का गांव के ही साहिल, सारजन और राहुल से दुकान लगाने को लेकर बुधवार को झगड़ा हो गया। दोनों पक्षों में रात करीब 8:30 बजे मारपीट भी हुई। इसके बाद अरविंद बंथरा थाने पहुंचे। वहां दूसरे पक्ष पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत दी। इसके बाद पुलिस ने उन्हें जांच करने को कहकर घर वापस भेज दिया। कुछ देर बाद दूसरे पक्ष के लोग भी थाने पहुंचे। उन्होंने भी अरविंद जैसे ही आरोप लगाकर शिकायत दी। जब उसी घटना की शिकायत 2 पक्षों से आ गई, तो पुलिस अरविंद रावत के घर रात 11 बजे पहुंच गई। सब लोग सो रहे थे। उन्हें जगाकर पूछताछ के साथ मारपीट शुरू कर दी।

रिटायर्ड रेलवे टेक्नीशियन को डिजिटल अरेस्ट कर 9 लाख ठगे

लखनऊ । लखनऊ के इंदिरा-नगर बेगम पूर्वा निवासी रेलवे से रिटायर्ड टेक्नीशियन वीरेंद्र कुमार सरकार (64) साइबर ठगों के डिजिटल अरेस्ट कर 9 लाख रुपए ठग लिए। आरोपियों ने वाट्सएप कॉल के जरिए खुद को पुलिस अधिकारी बताया। इसके बाद वीरेंद्र को पुलवामा हमले के आतंकियों की गतिविधियों में संलिप्तता और उनके खिलाफ 14 साल की सजा वाले मुकदमे में नाम आने की बात कहकर डराया। आरोपियों ने सीबीआई जांच का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट का फर्जी गिरफ्तारी वारंट, संपत्ति जब्ती आदेश और आरबीआई के दस्तावेज तक भेजे।

वीरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 1 सितंबर को प्रेम कुमार गौतम और शिवकुमार गौतम नाम के लोगों ने वाट्सएप के जरिए उनसे संपर्क किया। दोनों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया।

महासमाधि दिवस पर यूपी पर्यटन की बड़ी पहल

नीब करोरी बाबा के नाम से बना नया आध्यात्मिक सर्किट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । श्रद्धेय संत नीब करोरी बाबा के 'महासमाधि दिवस' पर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने उनकी आध्यात्मिक विरासत को देश-दुनिया के श्रद्धालुओं तक पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। नीब करोरी बाबा के जीवन और विरासत से जुड़े प्रमुख स्थलों को जोड़कर आध्यात्मिक पर्यटन का नया सर्किट विकसित किया जा रहा है। इसी अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटी-डीसी) ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए 'बाबा नीब करोरी' के पांच विशेष टूर पैकेज भी शुरू किए हैं। इसके साथ ही फिरोजाबाद और फर्रुखाबाद में पर्यटन सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास पर लगभग

12.93 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। फिरोजाबाद के अकबरपुर को बाबा नीब करोरी की जन्मस्थली के रूप में विकसित किया जा रहा है। फेज-1 के तहत पर्यटन सुविधाओं के विकास पर 8.65 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इसके अलावा 2.22 करोड़ रुपये की फेज-2 परियोजना का 60 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है और इसे दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

- नीब करोरी बाबा की विरासत को बड़ा सम्मान, यूपीएसटीडीसी ने शुरू किए 5 प्रकार के खास टूर पैकेज
- दिल्ली-लखनऊ से चलेंगे बाबा नीब करोरी के विशेष टूर 2, 3 और 5 दिन के पैकेज शुरू
- 12.93 करोड़ से संवरेंगे बाबा नीब करोरी से जुड़े स्थल, पर्यटन विभाग ने तैयार किया आध्यात्मिक ट्रेल नीब करोरी बाबा की विरासत को संरक्षित कर देश-दुनिया तक पहुंचा रही सरकारः जयवीर

रेलवे ट्रैक पर धड़ और गर्दन अलग पड़ी थी, हावड़ा एक्सप्रेस से प्रयागराज जा रहे थे

आगरा में 2 टुकड़ों में मिला एयरफोर्स जवान का शव

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आगरा में रेलवे ट्रैक पर 35 साल के एयरफोर्स जवान का शव दो टुकड़ों में मिला। धड़ से गर्दन अलग थी। वारदात का पता उस वक्त चला, जब यात्रियों ने शव को ट्रैक पर देखकर स्टेशन मास्टर को सूचना दी। गुरुवार सुबह 8 बजे पुलिस पहुंची तो जवान के मोबाइल पर लगातार पत्नी के फोन आ रहे थे। पुलिस ने फोन उठाकर पत्नी से कहा- आपके पति को चोट लगी है, आप एसएन मेडिकल कॉलेज पहुंचिए। इसके बाद पत्नी आगरा स्टेशन पर बच्चों के साथ उतरकर अस्पताल पहुंचीं। यहां उन्हें पति की

नैनाराम, मृतक

मौत के बारे में पता चला। पूरा मामला जिला मुख्यालय से 26 किमी दूर अछनेरा रेलवे स्टेशन के पास का है। एयरफोर्स के जवान नैनाराम पत्नी शोभा और दो बच्चों के साथ हावड़ा एक्सप्रेस से प्रयागराज जा रहे थे। वह राजस्थान के नागौर जिले के खींवसर के रहने वाले थे। GRP का कहना है कि शव प्लेटफॉर्म की दिशा में नहीं, बल्कि दूसरी ओर ट्रैक पर मिला। शुरुआती जांच में सुसाइड की आशंका लग रही है। CO राजेश दीक्षित ने बताया- ट्रेन में मौजूद यात्रियों के मुताबिक, जवान और उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा चल रहा था।

पुलिस जब पहुंची तो जवान के मोबाइल पर कॉल आ रही थी

जीआरपी इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि स्टेशन मास्टर का मेमो आया था। इसमें बताया गया कि रेलवे स्टेशन पर किसी व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गई है। इसके बाद GRP मौके पर पहुंची। जब पुलिस वहां पहुंची तो जवान के मोबाइल फोन पर कॉल आ रही थी।

जब तक पुलिस फोन को जवान की पैंट की जेब से निकालती, तब तक कॉल कट गई। जवान का मोबाइल लॉक था। पुलिस ने जवान के हाथ के अंगूठे का फिंगरप्रिंट लेकर मोबाइल फोन का लॉक खोला। फोन में उनके चाचा की मिस्ड कॉल पड़ी थी। पुलिस ने चाचा से बात की तो उन्होंने बताया कि उन्हें भतीजे के बारे में जानकारी नहीं है।

चाचा के फोन के बाद मोबाइल पर जवान की पत्नी का फोन आ गया। पत्नी ने पुलिस से कहा कि उसकी पति से बात कराई जाए। पुलिस वालों ने जवाब में कहा कि आपके पति को चोट लगी है, उन्हें अस्पताल लेकर जा रहे। आप भी वहीं पहुंचिए। आगरा रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद जवान की पत्नी अस्पताल पहुंची। इसके बाद उन्हें पति की मौत का पता चला।

एयरफोर्स जवान की मौत की सूचना पर रेलवे स्टेशन पर उनके साथी भी पहुंचे।

एयरफोर्स के जवान के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया है। यात्रियों और जवान के परिवार वालों से पूछताछ कर उनके बयान में लिए जाएंगे। हालांकि, शव की स्थिति को देखते हुए शुरुआती जांच में केस सुसाइड का लग रहा है।

पत्नी बॉयफ्रेंड के साथ भागी पति ने शादी कराई

पीआरडी जवान ने मंदिर में 7 फेरे कराए, बोला- तुम खुश रहो

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में एक PRD (प्रांतीय रक्षक दल) के जवान ने अपनी पत्नी की शादी उसके बॉयफ्रेंड से करा दी। पत्नी 4 दिन पहले बॉयफ्रेंड के साथ कहीं चली गई थी। पति और घरवालों ने उसकी तलाश की। पुलिस में भी गुमशुदगी दर्ज कराई।

बुधवार को जब पत्नी अपने बॉयफ्रेंड के साथ हरदोई में मिली। उससे ससुरालवालों ने पूछा कि कहां गई थी। इस पर उसने सच्चाई बताई और बॉयफ्रेंड के साथ ही रहने को कहा। पति ने कहा कि इसमें कोई जबरदस्ती नहीं है। तुम हमेशा खुश रहो बस। इसके बाद उसने पत्नी की मर्जी से उसकी शादी बॉयफ्रेंड से करा दी। मामला मलिहाबाद थाना

क्षेत्र का है।

PRD जवान की पत्नी और उसका प्रेमी दोनों एक साथ पढ़ते थे। बचपन से ही दोनों साथ रहे। पढ़ाई के दौरान ही दोनों के बीच दोस्ती हुई और फिर प्यार हो गया। करीब एक साल पहले लड़की की शादी मलिहाबाद में PRD जवान से करा दी गई। लेकिन, शादी के बाद भी वह अपने बॉयफ्रेंड से फोन पर बातें करती रही।

5 सितंबर को वह ससुराल से कहीं चली गई। परिवार ने तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। इसके बाद PRD जवान ने ही मलिहाबाद थाने में पत्नी की गुमशुदगी दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने जिले के सभी थानों और आसपास के जिलों में भी उसकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस को PRD जवान की पत्नी हरदोई में अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिली। मलिहाबाद पुलिस ने हरदोई पहुंचकर महिला को उसके प्रेमी के साथ थाने ले आई। थाने में दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। परिवारवालों ने महिला को समझाया और घर चलने के लिए कहा। लेकिन, महिला बॉयफ्रेंड को छोड़ना नहीं चाह रही थी।

फास्ट न्यूज

बाढ़ में डूबे मकान में पेंटर का शव मिला

कानपुर । कानपुर के नवाबगंज थाना क्षेत्र के उजिया-रीपुरवा में बाढ़ के पानी में डूबे मकान के बरामदे में गुरुवार सुबह (32)वर्षीय पुताई कारीगर का शव उतराता मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान संजय उर्फ लाला के रूप में हुई। वह करीब 10 साल से मकान मालिक श्यामबाबू उर्फ पाजी के मकान में अपनी मां तारा देवी के साथ रह रहा था। हादसे के समय उसकी मां लालबंगला में अपने चचेरे भाई के घर रह रही थी और संजय मकान में अकेला था।

कानपुर में गंगा का पानी गांवों तक पहुंचा

कानपुर । कानपुर में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ने से किनारे बसे गांवों में बाढ़ का असर दिखने लगा है। भोपाल पुरवा, बनिया पुरवा और भगवानदीन पुरवा में पानी पहुंच चुका है। हालांकि अभी गांवों के घरों तक पानी नहीं पहुंचा है, लेकिन रास्ते जलमग्न हो गए हैं। कई जगह ग्रामीणों को पानी के बीच से होकर निकलना पड़ रहा है। हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने भगवानदीन पुरवा जाने वाले रास्ते पर नाव की व्यवस्था कराई है। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह और तहसीलदार सदर विनय द्विवेदी ने जिला प्रशासन की टीम के साथ बाढ़ प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया।

बीजेपी विधायक बोले- 4 थानों में पुलिसवाले कर रहे वसूली

आगरा। आगरा की फतेहपुर सीकरी विधानसभा से भाजपा विधायक चौधरी बाबूलाल ने अपनी विधानसभा क्षेत्र के चार थानों से जुड़े छह पुलिसकर्मियों पर वसूली और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। विधायक ने पुलिस आयुक्त को शिकायती पत्र देकर संबंधित पुलिसक-र्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के साथ उन्होंने आरोपों से जुड़े साक्ष्य भी पुलिस आयुक्त को सौंपे हैं।

कानपुर में रिटायर्ड सिंचाई कर्मी ने थिनर डालकर आग लगाई

पत्नी ने भी 12 साल पहले आग लगाकर आत्महत्या किया था

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में गुरुवार सुबह 6 बजे 72 वर्षीय रिटायर्ड सिंचाईकर्मी (चतुर्थ क्षेणी में दफ़्तरी) ने छत पर थिनर डालकर खुद को आग लगा ली। आग की लपटों में घिरे बुजुर्ग को बचाने के लिए पड़ोसी अपनी छत से करीब 10 फीट नीचे कूदकर पहुंचे। हालांकि तब तक वह पूरी तरह आग की चपेट में आ चुके थे। पाइप से पानी डालकर आग बुझाई गई।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आग बुझने के बाद भी बुजुर्ग करीब 30 मिनट तक छत पर तड़पते रहे। घर के बाहर कार खड़ी होने के बावजूद उन्हें तत्काल अस्पताल नहीं ले जाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से राम रतन को कांशीराम अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामला थाना चकेरी के सावित्री नगर का है।

राम रतन साहू, मृतक

रात रतन साहू मूलरूप से कानपुर के नवाबगंज क्षेत्र में रहने वाले थे। सिंचाई विभाग में नौकरी करते थे। अक्टूबर 2014 में रिटायर हुए थे। उनकी दो बेटियां कंचन और रुचि हैं। बड़ी बेटी कंचन शाहू पिता के साथ ही रहती है। उसके पति विजय और दो बच्चों लक्ष्य व शानवी रहती हैं। छोटी बेटी रुचि अपने पति नीरज के साथ श्यामनगर स्थित ससुराल में रहती है। बड़ी बेटी कंचन के मुताबिक, पिता बीमार नहीं थे और केवल पैर में हल्का दर्द रहता था। सुबह वह छत पर पहुंचे और थिनर डालकर आग लगा ली। छत का दरवाजा बंद होने के कारण वह तुरंत ऊपर नहीं पहुंच सकी।

सुप्रीम कोर्ट बोला-बच्ची के साथ रेप की धमकी को हल्के में नहीं ले सकते

गाजियाबाद की सीजेपी कार्यकर्ता की सुरक्षा करे सरकार : सुप्रीम कोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद में रहने वाली कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) की 14 साल की कार्यकर्ता के घर पथराव और रेप की धमकी के मामले को गंभीरता से लिया है। गुरुवार को कोर्ट ने कहा, इन आरोपों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। किसी भी व्यक्ति को पीड़िता या उसके परिवार को डराने-धमकाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। यह मामला उस समय सामने आया, जब वकील ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच को बताया कि बच्ची के खिलाफ भी काउंटर FIR दर्ज की गई है, जबकि उस पर कथित हमला और उसे डराने-धमकाने के आरोपी अभी भी गिरफ्तार नहीं हुए हैं।

CJP की नाबालिग कार्यकर्ता को मिल रही धमकियों का सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को संज्ञान लिया।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में उत्तर प्रदेश-दिल्ली सरकार से FIR की स्थिति, लड़की और उसके परिवार को दी जा रही सुरक्षा और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई पर स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। यह सुनवाई कार्यकर्ता के पिता पर हमले के आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज से जुड़े मामले में हुई। CJP कार्यकर्ता के पिता ने गुरुवार को X पर दावा किया कि उनकी नाबालिग बेटी को धमकियां दी जा रही हैं। बुधवार को CJP कार्यकर्ता ने ने कहा था कि मैसेज भेजकर उन्हें रेप और जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

सीजेपी कार्यकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का जताया आभार

CJP कार्यकर्ता ने अपनी सुरक्षा को लेकर संज्ञान लेने और सुरक्षा प्रदान करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार जताया है। कहा,न्या-यालय की चिंता और हस्तक्षेप के लिए वह बेहद अभारी हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि संबंधित अधिकारी सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का सम्मान करेंगे और उनका पूरी निष्ठा के साथ पालन सुनिश्चित करेंगे।

वकील बोले- अगर बच्ची को कुछ हुआ तो बाद में ठीक नहीं होगा

सुनवाई के दौरान CJP कार्यकर्ता के वकील ने कोर्ट को बताया था कि लड़की की शिकायत पर पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन जांच कर रही है। उस पर हमला करने और धमकाने वाले लोग खुले घूम रहे हैं, जबकि लड़की के खिलाफ ही एक काउंटर FIR दर्ज कर दी गई है। बच्ची के साथ कोई अप्रिय घटना हो गई तो बाद की कार्रवाई से उस नुकसान की भरपाई नहीं की जा सकेगी। इसके जवाब में CJI ने कहा- जांच और हाई पावर कमेटी की प्रक्रिया अपनी जगह है, लेकिन बच्ची की तत्काल सुरक्षा सुनिश्चित करना अलग और जरूरी जिम्मेदारी है। अगर आरोपों का सामना कर रहे लोग खुले घूम रहे हैं और बच्ची या उसके परिवार को आपराधिक कार्रवाई आगे न बढ़ाने के लिए धमका रहे हैं तो यह गंभीर मामला है।

पूरनपुर में युवकों को युवतियों के कपड़े पहनाकर नचाने का आरोप, एसआई ने शिकायत दी

जन्माष्टमी मेले में अश्लील डांस कराने पर एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

पूरनपुर। पूरनपुर के धर्मापुर खुर्द गांव में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मेले के दौरान स्टेज कार्यक्रम में अश्लील डांस कराने के आरोप में पुलिस ने प्रधानपति अर्जुन वर्मा के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने बुधवार रात करीब 9:30 बजे यह कार्रवाई की। आरोप है कि मेले में 8 और 9 सितंबर की रात युवकों को युवतियों के कपड़े पहनाकर डीजे पर अश्लील गानों पर डांस कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान बजाए गए अश्लील गानों को लेकर मेले में मौजूद महिलाओं और गांव की अन्य महिलाओं को परेशानी होने की बात सामने आई। मामले की जानकारी पुलिस तक पहुंचने के बाद सब इंस्पेक्टर सुरेश कुमार सोनकर ने

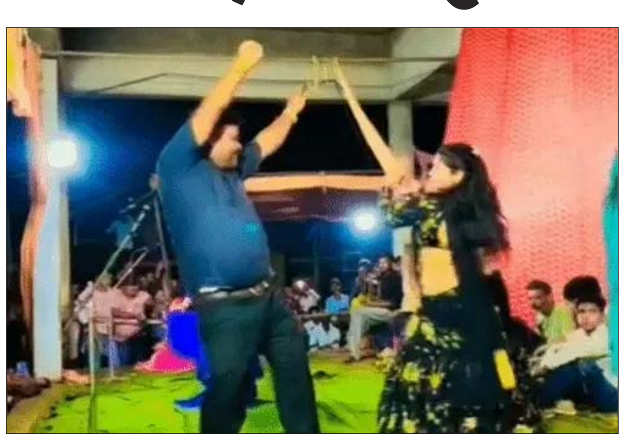
जन्माष्टमी मेले के दौरान स्टेज कार्यक्रम में अश्लील डांस कराने के आरोप में प्रधानपति के खिलाफ केस दर्ज किया गया।

शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर मेले के प्रबंधक और प्रधानपति अर्जुन वर्मा के खिलाफ धारा 296 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। अर्जुन वर्मा रामेश्वर दयाल के बेटे और धर्मापुर

4 से 9 सितंबर तक लगा था जन्माष्टमी मेला

पुलिस के मुताबिक धर्मापुर खुर्द गांव में 4 सितंबर से 9 सितंबर तक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मेले का आयोजन किया गया था। मेले के दौरान अलग-अलग कार्यक्रम हुए। आरोप है कि 8 और 9 सितंबर की रात स्टेज पर डीजे कार्यक्रम के दौरान युवकों को युवतियों के कपड़े पहनाकर डांस कराया गया।

आरोप है कि इस दौरान अश्लील गाने भी बजाए गए। कार्यक्रम देखने पहुंचे लोगों के बीच मौजूद महिलाओं को इससे परेशानी हुई। इसके बाद मामले की शिकायत पुलिस तक पहुंची।

“घटना के बाद मेले में आयोजित स्टेज कार्यक्रम को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि कार्यक्रम में क्या-क्या हुआ और उसकी जिम्मेदारी किस स्तर पर तय होती है।

गांव के रहने वाले हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। सब इंस्पेक्टर सुरेश कुमार सोनकर ने मामले की जानकारी पुलिस को दी और मेले के प्रबंधक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में प्रधानपति अर्जुन वर्मा का नाम शामिल किया गया।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर अर्जुन वर्मा के खिलाफ धारा 296 के तहत केस दर्ज कर लिया। मामले में पुलिस अब कार्यक्रम और उससे जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। कोतवाल पवन पांडे ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर जरूरी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने फिलहाल दर्ज मुकदमे के आधार पर जांच आगे बढ़ा दी है।

12वीं के छात्र का शव फंदे से लटका मिला प्रेम प्रसंग की आशंका

मोबाइल से डिलीट मिले मैसेज पुलिस मामले की जांच में जुटी

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में बुधवार देर रात 12वीं के छात्र ने घर के कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। छात्र का चचेरा भाई वीरेंद्र कमरे में पहुंचा तो शव पंखे के सहारे दुपट्टे से लटका मिला। यह देख उसकी चीख निकल गई। शोर सुनकर परिवार के लोग और पड़ोसी मौके पर पहुंचे।

सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने छात्र का मोबाइल कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है। मोबाइल में व्हाट्सएप के कुछ मैसेज डिलीट मिलने की बात सामने आई है। पुलिस प्रथम दृष्टया प्रेम प्रसंग समेत अन्य पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मामला सजेती थाना क्षेत्र के बरीपाल गांव का है। बरीपाल गांव निवासी किसान संजय पांडेय के परिवार में पत्नी राधा पांडेय, बेटी श्रद्धा पांडेय और इकलौता बेटा प्रखर पांडेय

(18) था। प्रखर 12वीं का छात्र था। पिता के मुताबिक बुधवार को उनकी पत्नी और बेटी दवा लेने स्वरूपनगर गए थे। प्रखर उस समय घर पर अकेला था। घर लौटते समय मां और बहन ने किसी काम के सिलसिले में प्रखर को फोन किया, लेकिन कई बार कॉल करने के बावजूद फोन नहीं उठा।इसके बाद परिजनों ने प्रखर के चचेरे भाई वीरेंद्र को फोन कर घर जाकर देखने के लिए कहा। रात करीब आठ बजे वीरेंद्र घर पहुंचा। बाहर से प्रखर के नजर नहीं आने पर वह उसके कमरे में गया। दरवाजा खोलते ही सामने का दृश्य देखकर उसके होश उड़ गए। प्रखर का शव पंखे के सहारे दुपट्टे से लटका हुआ था।

पृष्ठ 01 का शेष...

देश में ही बनेंगे ...

15 जून 2020 को पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। चीन ने बाद में अपने चार सैनिकों के मारे जाने की बात मानी थी।

भारत और चीन के बीच सिर्फ सीमा विवाद ही नहीं, बल्कि व्यापार और आर्थिक रिश्ते भी बातचीत का हिस्सा हैं। भारत चीन के साथ अपने बड़े व्यापार घाटे को कम करना चाहता है।

इसके अलावा रेयर अर्थ मैगनेट और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट जैसे जरूरी सामान की सप्लाई को लेकर भी भारत अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है। इस साल BRICS की कमान भारत के पास है। BRICS दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है। इसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ मिस्र, ईरान, इथियोपिया, UAE और इंडोनेशिया भी शामिल हैं।

भारत की अध्यक्षता में पूरे साल अलग-अलग शहरों में बैठकें, मंत्रीस्तरीय सम्मेलन और कई स्तर की चर्चाएं हो रही हैं। भारत का फोकस ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करने, आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल तकनीक, आतंकवाद से निपटने और सप्लाई चेन मजबूत करने पर है। यानी BRICS को सिर्फ राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि व्यापार, निवेश और विकास के बड़े मंच के तौर पर आगे बढ़ाने की कोशिश है।

14 साल की बच्ची ...

बच्ची और उसके पिता का आरोप है कि इसी मामले में उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है। कोर्ट ने इसी मामले पर यह टिप्पणी की है।

सीजेआई ने कहा- अगर ऐसे असामाजिक तत्व हैं जिन्होंने बच्चे के खिलाफ हिंसा की है और वे खुलेआम घूम रहे हैं और बच्चे को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं तो यह एक गंभीर बात है। एसजी मेहता ने कहा कि उन्हें बच्चे की सोशल मीडिया पोस्ट से इस मामले के बारे में पता चला था। वकील ने बताया कि ऐसे वीडियो हैं, जिनमें चार पुलिसकर्मी उन उपद्रवियों के साथ दिख रहे हैं जिन्होंने प्रदर्शनकारियों पर हमला किया था और उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने एसजी से कहा- हम चाहते हैं कि उस एफआईआर पर तुरंत एक्शन लिया जाए और यूपी पुलिस पीड़ित और परिवार को पुलिस प्रोटेक्शन दे। जांच पार्लियामेंट स्ट्रीट पीएस करे।

इसके बाद 24 जुलाई को सोशल मीडिया पर वायरल पॉडकास्ट क्लिप में स्वतंत्र भारद्वाज ने यह दावा किया था कि उसने ही बच्ची के पिता संजय कुमार का सिर फोड़ा था। 60 टांके लगाने पड़े थे।

स्वतंत्र ने यह भी कहा कि उन्हें जेल नहीं जाना पड़ा। बाद में उसने अपने बयान से पलटते हुए कहा कि यह हमला नहीं, बल्कि सेल्फ-डिफेंस था। 10-15 लोगों ने उन्हें घेर लिया था और अगर वह बचाव में कार्रवाई नहीं करते तो उन्हें भीड़ मार सकती थी।

लद्दाख मुद्दे पर सोनम...

सरकार ने स्थानीय शासन और जमीन से जुड़े नियमों में बड़े बदलाव न करने का आश्वासन भी नहीं दिया।

इससे पहले उन्होंने X पर लिखा- आज हमें मशहूर कॉमेडियन जसपाल भट्टी की मीटिंग्स की याद आ रही है। जैसा कि हमने अंदाजा लगाया था, 9 सितंबर को हुई यह मीटिंग लद्दाख का ध्यान 10 सितंबर से शुरू होने वाले बड़े लेह से कारगिल पदयात्रा मार्च से हटाने के लिए बस एक गुमराह करने वाली बात लग रही है। दुर्भाग्य से भरोसा कम हो रहा है और अविश्वास बढ़ रहा है।

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर सोनम वांगचुक ने सितंबर 2025 में आंदोलन किया था। इस दौरान 24 सितंबर को लेह में हिंसा हो गई थी। इन प्रदर्शनों में 4 लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हुए थे।

हिंसा के दो दिन बाद 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। इसके बाद उन्हें फौरन जोधपुर शिफ्ट कर दिया था। 170 दिन से वे जोधपुर जेल में थे। उन्हें 14 मार्च को रिहा किया गया था।

भाजपा प्रवक्ता के ...

CJP का आरोप है कि स्वतंत्र भारद्वाज और अन्य लोगों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान संजय कुमार के साथ मारपीट की थी। इसी मामले में CJP ने स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ FIR और कार्रवाई की मांग की थी।

इसी दौरान सौरव दास ने एक ग्राफिक शेयर किया। इसमें गौरव भाटिया की तस्वीर और नाम के साथ स्वतंत्र भारद्वाज को 'दिमागी नक्सल' बताए जाने समेत कई बातें लिखी थीं। भाटिया ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया और पोस्ट को फर्जी बताया।

इसके बाद दास ने पोस्ट डिलीट कर दी और कहा कि ग्राफिक AI से बनाया गया था। आशुतोष रांका पर आरोप है कि उन्होंने दास के पोस्ट को दोबारा शेयर किया था। दिल्ली पुलिस ने 5 सितंबर को स्वतंत्र भारद्वाज को उत्तर प्रदेश के बुलंद-शहर से गिरफ्तार किया था।

जस्टिस तुषार राव गेडेला ने सुनवाई के दौरान दास और रांका से पूछा कि क्या वे पोस्ट खुद हटाने को तैयार हैं। कोर्ट ने कहा कि विरोध करने के कई तरीके होते हैं, लेकिन बिना जांचे इस तरह किसी पर हमला करना सही नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन उसे सही तरीके से रखना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर दोनों खुद पोस्ट हटाने को तैयार हैं तो फिलहाल अदालत को पोस्ट हटाने का आदेश देने की जरूरत नहीं है।

सौरव दास के वकील ने बताया कि विवादित ट्वीट पहले ही डिलीट किया जा चुका है। इस पर कोर्ट ने कहा कि एक और पोस्ट भी शेयर की गई थी। इसके बाद दोनों नेताओं के वकीलों को उनसे बात कर बाकी पोस्ट हटाने के बारे में निर्देश लेने को कहा गया। बाद में दास और रांका ने भी पोस्ट हटाने पर सहमति जताई।

पहचान के आधार ...

राहुल ने इस रवैये को गलत बताते हुए कहा कि ताकत के आधार पर किसी के साथ हिंसा करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। घटना 6 सितंबर 2026 की रात करीब 11:30 बजे की है। दक्षिण दिल्ली के आश्रम इलाके में रहने वाले विक्रम सिंह अपने घर के नीचे डिलीवरी बॉय और स्थानीय ढाबे के कर्मचारियों के तेज शोर और हंगामे पर आपत्ति जताने गए थे।

रोप है कि डिलीवरी बॉय और ढाबा कर्मचारियों ने उन पर हमला किया था। आरोपियों ने बिल्डिंग में घुसकर सिंह का तीन मंजिलों तक पीछा किया, और लात-घूसों से उन पर हमला किया। चोटों के कारण सिंह की मौत हो गई।

आउटसोर्स खत्म ...

अखिलेश यादव ने प्रदेश में बाढ़ की स्थिति को लेकर भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार ने बाढ़ की समस्या के समाधान के बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन उसके दावे झूठे साबित हुए। उनका आरोप है कि बाढ़ बचाव के लिए आया बजट जमीन पर काम करने के बजाय भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया और बाढ़ से बचाव के लिए पर्याप्त काम नहीं हुआ।

मुझे ट्रोल होने वाली ...

अमृता पहले भी अपने बयानों या विचारों को पति की राजनीति से अलग बताती रही हैं।

गरबा आयोजनों में 'लव जिहाद' के मामले सामने आने के दावों पर अमृता ने कहा कि अगर ऐसा कोई मुद्दा है तो इस पर विचार करने की जरूरत है। इस संबंध में सख्त कानून बनाए जा रहे हैं और इससे भी कड़े कानून बनने चाहिए।

मनोज जरांगे पाटील के बारे में पूछे जाने पर अमृता ने कहा- जरांगे पाटील जी मेरे भाई हैं और मैं उन्हें अपने घर पर खाना खाने के लिए बुलाती हूं।

जरांगे पिछले 13 दिन से जालना के अंतरवाली सराटी गांव में मराठा समुदाय को ओबीसी के तहत आरक्षण देने की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे हैं।

साउथ जोन के खिलाफ फाइनल ड्रॉ रहा, कप्तान ईशान किशन का दोहरा शतक

ईस्ट जोन तीसरी बार दलीप ट्रॉफी चैंपियन बना

शानदार

नई दिल्ली, एजेंसी

ईस्ट जोन तीसरी बार दलीप ट्रॉफी चैंपियन बन गया है। चेन्नई में साउथ जोन के खिलाफ फाइनल ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी में बढ़त के आधार पर ईस्ट जोन को विजेता घोषित किया गया। कप्तान ईशान किशन के दोहरे शतक की मदद से टीम ने पहली पारी में 708 रन बनाए थे। ईशान को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। ईस्ट जोन ने इससे पहले 2011-12 और 2012-13 में दलीप ट्रॉफी जीती थी। 2011-12 में उसने फाइनल में सेंट्रल जोन को पारी और 20 रन से हराया था, जबकि 2012-13 का फाइनल ड्रॉ रहा था और पहली पारी में बढ़त के आधार पर ईस्ट जोन चैंपियन बना था। इसके बाद अब ईस्ट जोन ने 14 साल बाद तीसरी बार खिताब अपने नाम किया।

इसके जवाब में साउथ जोन की पहली पारी 336 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से देवदत्त पडिक्कल ने 62 रन और कप्तान तिलक वर्मा ने 99 रन बनाए। चामा मिलिंद ने 43 और नारायण जगदीशन ने 32 रन की पारी खेली। ईस्ट जोन के लिए मुकेश कुमार ने 3 और मोहम्मद शमी ने 2 विकेट लिए। दलीप ट्रॉफी 2026 में ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 3 मैचों में सबसे ज्यादा 409 रन बनाए हैं, जिसमें उनका बेस्ट स्कोर 270 रन रहा। साउथ जोन के तिलक वर्मा 266 रन के साथ दूसरे और ईस्ट जोन के कुमार कुशाग्र 224 रन के साथ तीसरे नंबर पर हैं। दलीप ट्रॉफी में वेस्ट जोन सबसे सफल टीम है, जिसने अब तक 19 खिताब जीते हैं। नॉर्थ जोन 18 खिताब के साथ दूसरे और साउथ जोन 14 खिताब के साथ तीसरे नंबर पर है। साउथ जोन ने इनमें से 2 बार ट्रॉफी शेयर की थी।

ईस्ट जोन की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही

ईस्ट जोन की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 13 रन के स्कोर पर अभिमन्यु ईश्वरन और वैभव सूर्यवंशी के विकेट गंवा दिए। इसके बाद शिखर मोहन ने 52 और ईशान किशन ने 80 रन बनाकर पारी को संभाला। कुमार कुशाग्र ने भी 46 रन बनाए। अनुकूल राय ने 64 और एमडी कौनैन कुरैशी ने नाबाद 116 रन की पारी खेली।

ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन का स्कोर बनाया था। कप्तान ईशान किशन ने 270 रन की शानदार पारी खेली, जबकि कुमार कुशाग्र ने 101 रन बनाए। शिखर मोहन ने 85 और अभिमन्यु ईश्वरन ने 72 रन का योगदान दिया। वैभव सूर्यवंशी ने 44 रन बनाए।

एशियन गेम्स से पहले डोपिंग के दो मामले

17 साल के तैराक पर 18 महीने का बैन

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियन गेम्स से पहले भारत के दो खेलों में डोपिंग के मामले सामने आए हैं। 17 साल के एक भारतीय तैराक पर प्रतिबंधित टरबुटालाइन मिलने के बाद 18 महीने का बैन लगाया गया है, जिससे वह एशियन गेम्स में हिस्सा नहीं ले सकेगा।

वहीं ग्रीको रोमन पहलवान दीपक के 31 मई को लिए गए यूरिन सैंपल में प्रतिबंधित क्लोमीफीन मिला है। दीपक का मामला अभी डोपिंग रोधी प्रक्रिया में है और उन पर फिलहाल अस्थायी निलंबन नहीं लगाया गया है। दोनों खिलाड़ी एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई कर चुके थे। तैराक ने दो इवेंट के लिए जगह बनाई थी, जबकि दीपक ने 31 मई को लखनऊ में हुए चयन ट्रायल में जीत हासिल कर टीम में जगह बनाई थी।

17 सान के तैराक के सैंपल में

फरवरी में टरबुटालाइन पाया गया था। यह एंटी-डोपिंग नियमों के तहत प्रतिबंधित बीटा-2 एगोनिस्ट है। इसके बाद उसका नाम एशियन गेम्स की संभावित टीम से हटा दिया गया था। मामले की सुनवाई पिछले हफ्ते हुई और बुधवार सुबह उस पर 18 महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (SFI) ने सुनवाई जल्द कराने की मांग की थी, ताकि अगर उसे राहत मिलती तो एशियन गेम्स के लिए टीम में शामिल किया जा सके। खिलाड़ी नाबालिग होने के कारण उसका नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है।

बांग्लादेश से 8 मैचों से नहीं हारी भारतीय विमेंस टीम

एशिया कप सेमीफाइनल आज, शतक लगा चुकीं स्मृति पर नजरें

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला एशिया कप के पहले सेमीफाइनल में भारत का सामना बांग्लादेश से होगा। मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रात 8 बजे से शुरू होगा।

भारतीय टीम टूर्नामेंट में अब तक एक भी मैच नहीं हारी है। वहीं, भारत पिछले 8 विमेंस टी-20 इंटरनेशनल में बांग्लादेश के खिलाफ अजेय है। बांग्लादेश ने आखिरी बार 13 जुलाई 2023 को भारत को हराया था।

दोनों के बीच अब तक 24 इंटर-नेशनल मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें भारत ने 21 मैच जीते हैं।

भारत ने ग्रुप-A में अपने तीनों मैच जीतकर 6 अंकों के साथ टॉप किया। टीम ने थाईलैंड को 94 रन, हॉन्गकॉन्ग को 137 रन और

पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया।

बांग्लादेश ग्रुप-B में 4 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। उसने इंडोनेशिया को 71 रन और UAE को 34 रन से हराया, जबकि श्रीलंका के खिलाफ उसे 4 विकेट से हार मिली। भारत की ओपनर स्मृति मंधाना टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने 3 मैचों में 178.82 की स्ट्राइक रेट से 152 रन बनाए हैं। इसमें हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ 124 रन की शतकीय पारी भी शामिल है। उनकी ओपनिंग पार्टनर शेफाली वर्मा ने भी 3 मैचों में 104 रन बनाए हैं।

गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा भारत की सबसे सफल गेंदबाज रही हैं। उन्होंने 3 मैचों में 1.90 की इकोनॉमी से 8 विकेट लिए हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन बिना रन दिए 3 विकेट है। दीप्ति के अलावा नंदनी शर्मा और प्रेमा रावत ने 5-5 विकेट लिए हैं। बांग्लादेश की ओर से शोभना मोस्तारी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। उन्होंने 3 मैचों में 86.52 की स्ट्राइक रेट से 77 रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर 40 रन है। गेंदबाजी में मारुफा अक्तर ने 3 मैचों में 8 विकेट लिए हैं।

चोटिल हर्षित राणा बाहर, इंग्लैंड दौरे पर खेला था आखिरी मैच

यश ठाकुर को अफगानिस्तान टी 20 सीरीज एशियन गेम्स में मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज यश ठाकुर को अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज और एशियन गेम्स के लिए टीम में शामिल किया गया है। उन्हें चोटिल हर्षित राणा की जगह दोनों स्क्वॉड में मौका मिला है।

हर्षित हैमस्ट्रिंग चोट से पूरी तरह नहीं उबर सके हैं। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच इंग्लैंड दौरे पर खेला था। BCCI ने गुरुवार को टीम में इस बदलाव की पुष्टि की।

हर्षित राणा ने भारत के लिए अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच इंग्लैंड दौरे पर खेला था। इसके बाद से वे चोट के कारण टीम से

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीनों टी-20 मैच दिल्ली में 13 सितंबर से खेले जाएंगे। इसके बाद भारतीय टीम 22 सितंबर को टोक्यो में जापान के खिलाफ एकमात्र मैच खेलेगी। इसके बाद भारत 28 सितंबर से एशियन गेम्स में अपना अभियान शुरू करेगा।

बाहर हैं। राणा को वॉशिंगटन सुंदर जैसी हैमस्ट्रिंग चोट लगी है। हालांकि, सुंदर अब फिट हो चुके हैं और उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए फिट घोषित किया गया है। 27 साल के यश ठाकुर विदर्भ के तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने जुलाई में भारत के जिम्बाब्वे दौरे पर अपना टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। यश ने इस दौरे पर दो मैच खेले और चार विकेट लिए। घरेलू टी-20 में भी उनका रिकॉर्ड अच्छा है। उन्होंने 50 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैचों में 81 विकेट लिए हैं। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट 7.04 रहा है।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारत की अपडेटेड टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उपकप्तान), शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर।

2026 एशियन गेम्स के लिए भारत की टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेट-कीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश ठाकुर।

बुमराह और नीतीश भी फिटनेस के आधार पर टीम में

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर नितीश रेड्डी को भी अफगानिस्तान सीरीज के लिए फिटनेस के आधार पर टीम में शामिल किया गया है। बुमराह बाएं घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। वह जुलाई में भारत के इंग्लैंड दौरे के बाद से क्रिकेट से दूर हैं। वहीं, नीतीश रेड्डी क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं। BCCI सूत्र के मुताबिक, बुमराह और नीतीश दोनों की वापसी सही दिशा में है।

मनोरंजन

सिद्धार्थ-कियारा का दिखा रेट्रो अंदाज, परिणीति, रवि किशन और अमीषा पटेल ने भी तस्वीरें शेयर कीं

एआई से 80 के दशक के दौर में पहुंचे सेलेब्स

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर 80s का रेट्रो ट्रेंड वायरल हो रहा है। इसमें लोग AI की मदद से अपनी तस्वीरों को 80s के अंदाज में बदलकर शेयर कर रहे हैं। कियारा आडवाणी, सिद्धार्थ मल्होत्रा, श्रुति हासन समेत कई सेलेब्स भी इस ट्रेंड का हिस्सा बने हैं।

कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ AI से बनाई तस्वीर शेयर की। इसमें दोनों रेट्रो अवतार में नजर आए। सिद्धार्थ ने डबल-डेनिम लुक के साथ डार्क एविएटर सनग्लासेस पहने। वहीं कियारा ने 80s के रंगीन

एक्टर रवि किशन ने भी इस वायरल एआई ट्रेंड में हिस्सा लिया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर 80 दशक के अंदाज में अपनी एआई-जेनरेटेड तस्वीर शेयर की। तस्वीर में उनका लुक 1980s के बॉलीवुड हीरो जैसा नजर आया।

फैशन को अपनाया। वह पिंक आउटफिट में नजर आईं, जिसमें पफ स्लीव्स थीं। उन्होंने बड़े हूप ईयररिंग्स और चूड़ियां पहनीं। कियारा ने पोस्ट में सिद्धार्थ की अपकमिंग फिल्म 'द व्वान' के

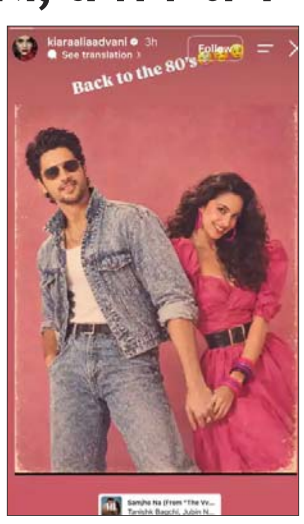

रोमांटिक ट्रैक 'समझो ना' को भी एड किया। दूसरी ओर, श्रुति हासन 80s से कुछ दशक पीछे 1960s के लुक में नजर आईं। तस्वीर में वह प्रिंटेड टॉप, मैचिंग हेडस्कार्फ और ब्लू जींस पहने दिखीं। आयुष्मान खुराना की पत्नी ताहिरा कश्यप ने भी सोशल मीडिया पर अपने रेट्रो अंदाज की तस्वीर शेयर की। रणबीर कपूर की बहन और एक्ट्रेस रिद्धिमा कपूर साहनी भी 80s के AI ट्रेंड में शामिल हो गई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उनका लुक 1980 के दशक के अंदाज में नजर आया। रिद्धिमा ने तस्वीर के साथ लिखा, "जब 80s ने बुलाया, तो मैंने इसी अंदाज में जवाब दिया।" रिद्धिमा ने इसी साल कॉमेडी फिल्म 'दादी की शादी' से एक्टिंग की शुरुआत की है। फिल्म में उनकी मां नीतू कपूर और कपिल शर्मा भी नजर आए थे। वहीं, डेजी शाह ने भी इस ट्रेंड में हिस्सा लिया। AI से बनाई तस्वीरों में वह 80s की हीरोइन जैसी नजर आईं। उनका हेयरस्टाइल और पूरा लुक पुराने दौर की याद दिलाता है। एक्टर अभय वर्मा ने भी 1980 के दशक वाला अंदाज अपनाया। उन्होंने लंबे घुंघराले बालों और डेनिम आउटफिट में तस्वीरें शेयर कीं। अभय जल्द ही शाहरुख खान के साथ 'किंग' में नजर आएंगे।

परिणीति और राघव भी ट्रेंड में शामिल हुए

परिणीति चोपड़ा ने पति राघव चड्ढा के साथ विंटेज स्टाइल की कई तस्वीरें शेयर कीं। अमीषा पटेल भी रेट्रो लुक में नजर आईं। उन्होंने वन-शोल्डर टॉप और डेनिम शॉर्ट्स के साथ नियोन पिंक आउटफिट पहना। उन्होंने लेग वॉर्मर्स और व्हाइट-पिंक स्नीकर्स पहने और एक बड़े बूमबॉक्स पर बैठी नजर आईं।

पैपराजी पर भड़कीं तारा करीब आने पर एक्ट्रेस ने कैमरा हटाया

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्ट्रेस तारा सुतारिया का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। जिसमें एक्ट्रेस पैपराजी पर भड़क गईं। वीडियो में तारा एक पैपराजी का कैमरा हटाती नजर आ रही हैं, जो कथित तौर पर उनके काफी करीब आ गया था।

वीडियो में तारा मुंबई में एक स्टोर की ओर जाती दिखाई दे रही हैं। उन्होंने सफेद रंग का आउटफिट पहना है और ब्लैक सनग्लासेस लगाए हैं। स्टोर के बाहर पैपराजी की भीड़ नजर आती है, जबकि उनकी टीम के सदस्य छतरियों से उन्हें कवर करने की कोशिश करते हैं।

इसी दौरान एक पैपराजी कैमरा लेकर तारा के काफी करीब आता दिखाई देता है। तारा उसका कैमरा एक तरफ कर देती हैं और बिना रुके स्टोर की ओर बढ़ जाती हैं। इससे

पहले पिछले महीने भी तारा का एक वीडियो सामने आया था। तारा सुतारिया जैसे ही अपनी गाड़ी से नीचे उतरीं, वहां पहले से ही पैपराजी की भारी भीड़ जमा थी। कैमरे और फ्लैशलाइट्स को देखते ही तारा के हाव-भाव पूरी तरह बदल गए और उन्होंने कार का दरवाजा बहुत जोर से बंद किया।

दरवाजा बंद करने के बाद पैपराजी लगातार उनका नाम पुकारते रहे और उनसे पोज देने की बात कही, लेकिन तारा ने पैपराजी की तरफ मुड़कर देखा तक नहीं और सीधे बिल्डिंग के एंट्री गेट की तरफ बढ़ गईं।

सलीम खान को मिला राज कपूर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

हेलन ने लिया, कहा-उनकी तबीयत ठीक

नई दिल्ली। वेटरन स्क्रीनराइटर और लिरिसिस्ट सलीम खान को हिंदी सिनेमा में योगदान के लिए 62वें महाराष्ट्र स्टेट फिल्म अवॉर्ड्स 2026 समारोह में सम्मानित किया गया। बुधवार को सेरेमनी का आयोजन हुआ, हालांकि सलीम खान खुद इसमें नहीं पहुंचे। उनकी ओर से हेलन अवॉर्ड लेने पहुंचीं। तबीयत खराब होने के कयास पर हेलन ने कहा है कि वो बिल्कुल ठीक हैं। वहीं रानी मुखर्जी को भी समारोह में अवॉर्ड मिला है। समारोह के बाद मीडिया से बातचीत में हेलन ने सलीम खान की सेहत का अपडेट दिया। हेलन ने कहा, "मैं सलीम साहब के लिए यह अवॉर्ड पाकर आभारी हूं। उनकी सभी फिल्में मेरी पसंदीदा हैं। उनकी सेहत बहुत अच्छी है। वे बहुत मजबूत इंसान हैं। वह आप सभी, पूरे महाराष्ट्र और भारत के लोगों को शुभकामनाएं भेजते हैं।"

हेलन और सलीम खान का प्रोफेशनल रिश्ता कई दशक पुराना है। दोनों ने 1963 की फिल्म 'कबली खान' में पहली बार साथ काम किया था। इस फिल्म में हेलन ने फीमेल लीड रोल निभाया था। सलीम खान फिल्म में विलेन के किरदार में नजर आए थे।

दोनों 1978 में फिल्म 'डॉन' के दौरान फिर साथ आए। अमिताभ बच्चन स्टारर इस फिल्म की कहानी सलीम-जावेद की जोड़ी ने लिखी थी। फिल्म में हेलन ने कामिनी का किरदार निभाया था। वह लोकप्रिय गाने 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' में भी नजर आई थीं।

एपी ढिल्लों भी नजर आए, एपल के सीईओ जॉन टर्नस से मुलाकात की

आईफोन 18 के लॉन्च इवेंट में पहुंची तृप्ति डिमरी

नई दिल्ली। एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी और सिंगर एपी ढिल्लों बुधवार को अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित क्यूपर्टिनो पहुंचे। दोनों ने यहां आयोजित एपल के आईफोन 18 लॉन्च इवेंट में हिस्सा लिया।

इस खास कार्यक्रम में तृप्ति और एपी ढिल्लों को नए आईफोन 18 प्रो मॉडल देखने का मौका मिला। इस दौरान एपल के सीईओ जॉन टर्नस ने दोनों से मुलाकात की। उन्होंने सेलेब्स को नए आईफोन के फीचर्स भी दिखाए।

इवेंट में तृप्ति डिमरी रेड कोट और डेनिम में नजर आईं। वहीं एपी ढिल्लों ग्रे जैकेट में दिखाई दिए। तृप्ति डिमरी लाइव स्ट्रीमर आईशोस्पीड की लाइवस्ट्रीम में भी कुछ देर नजर आईं।

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में जॉन टर्नस को दोनों भारतीय कलाकारों से बातचीत करते देखा जा सकता है। इस दौरान उन्होंने नए आईफोन के बारे में भी जानकारी दी। आईफोन 18 प्रो की शुरुआती कीमत 1,64,900 लाख रुपए और आईफोन 18 प्रो मैक्स की 1,79,900 रुपए है। इनकी बुकिंग 12 सितंबर से और बिक्री 18 सितंबर से शुरू होगी। इनके अलावा, इवेंट में एयरपॉड्स 5, एपल वॉच सीरीज 12 और वॉच अल्ट्रा 4 भी आए हैं।

तृप्ति डिमरी ने एपी ढिल्लों के साथ भी तस्वीर शेयर की।

इवेंट में तृप्ति डिमरी ने एपल के सीईओ जॉन टर्नस के साथ तस्वीरें क्लिक करवाईं।

एपल ने पहला फोल्डेबल आईफोन डुओ लॉन्च किया

एपल ने बुधवार रात लॉन्च इवेंट 'सरप्राइज एंड शाइन' में अपने पहले फोल्डेबल फोन आईफोन डुओ के साथ 6 डिवाइस लॉन्च किए। आईफोन डुओ में 5.4-इंच का कवर डिस्प्ले और अंदर 7.6-इंच की मेन स्क्रीन है, जो अब तक के किसी भी आईफोन का सबसे बड़ा डिस्प्ले है।

आईफोन डुओ में पहली बार डुअल-बैटरी सिस्टम दिया गया है। इसमें फिजिकल सिम कार्ड नहीं लगेगा, यानी यह केवल ई-सिम पर चलेगा। डुओ एपल का अब तक का सबसे महंगा आईफोन है। इसकी शुरुआती कीमत करीब 3 लाख रुपए है, जबकि टॉप मॉडल की कीमत 4.50 लाख रुपए तक जाती है। भारत में इसकी बुकिंग 16 अक्टूबर से और बिक्री 23 अक्टूबर से शुरू होगी। साथ ही एपल ने इस बार आईफोन 18 सीरीज में सिर्फ प्रीमियम मॉडल 18 प्रो और 18 प्रो मैक्स लॉन्च किए हैं।

इस पर 128 लाख करोड़ खर्च करने होंगे, यह पाकिस्तान की इकोनॉमी का 3.3 गुना

मिडटर्म चुनाव जीता तो हर वोटर को 5 लाख : ट्रम्प

संबोधन

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि नवंबर के मिडटर्म चुनाव में अगर रिपब्लिकन पार्टी प्रतिनिधि सभा और सीनेट, दोनों में बहुमत बरकरार रखती है, तो हर बालिग अमेरिकी को 5000 डॉलर (करीब 4.76 लाख रुपए) दिए जाएंगे।

ट्रम्प ने यह बयान डलास में रिपब्लिकन कन्वेंशन को संबोधित करते हुए दिया। उन्होंने इसे 'ट्रम्प डिविडेंड' नाम दिया और कहा कि यह अमेरिका की 'आर्थिक ताकत और सफलता' की वजह से दिया

जाएगा। ट्रम्प ने ये भी कहा कि डिविडेंड की रकम अमेरिका में ही खर्च करनी होगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा, भुगतान का दायरा क्या होगा और रकम किस तरह बांटी जाएगी।

अमेरिका में करीब 26.98 करोड़ वयस्क हैं। अगर सभी को 5,000 डॉलर दिए जाएं तो कुल खर्च करीब 1.35 ट्रिलियन डॉलर यानी 128.25 लाख

विश्व बैंक के 2025 के आंकड़े के मुताबिक इससे ज्यादा सिर्फ 19 देशों की जीडीपी है। यहां तक की यह पाकिस्तान की पूरी अर्थव्यवस्था से करीब 3.3 गुना ज्यादा है। पाकिस्तान की जीडीपी करीब 407.3 अरब डॉलर यानी 38.69 लाख करोड़ है।

करोड़ रुपए होगा। यह रकम दुनिया के करीब 162 देशों की इकोनॉमी से ज्यादा है।

ट्रम्प इससे पहले भी अमेरिकी नागरिकों को सीधे पैसा देने की बात कर चुके हैं। इस साल की शुरुआत में उन्होंने 2,000 डॉलर के डिविडेंड का प्रस्ताव रखा था। उस समय उन्होंने कहा था कि इसके लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी नहीं होगी। पिछले साल ट्रम्प ने अमेरिकी सैनिकों को 1776 डॉलर का भुगतान किया था, जिसे उन्होंने 'वॉरियर डिविडेंड' कहा था। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव राष्ट्रपति चुनाव के दो साल बाद होते हैं। इसमें प्रतिनिधि सभा की सभी सीटों और सीनेट की करीब एक-तिहाई सीटों के लिए चुनाव होता है। रिपब्लिकन इस बार प्रतिनिधि सभा में अपने बेहद मामूली बहुमत को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। सीनेट में भी पार्टी को चुनौती मिल रही है।

अमेरिका की जीडीपी के 4% के बराबर खर्च

2025 में अमेरिका की अर्थव्यवस्था करीब 30.8 ट्रिलियन डॉलर की थी। हर बालिग अमेरिकी को 5,000 डॉलर देने की योजना पर करीब 1.3 ट्रिलियन डॉलर खर्च होगा। इसे लागू करने के लिए संसद की मंजूरी जरूरी होगी।

यह रकम अमेरिका की 2025 की GDP के करीब 4.2% के बराबर है। वहीं, अमेरिका का सालाना बजट घाटा करीब 1.8 ट्रिलियन डॉलर है। यानी इस योजना से सरकारी खर्च और घाटे पर और दबाव बढ़ सकता है। अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज भी पहले ही 40 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच चुका है। ऐसे में इतनी बड़ी रकम बांटने से सरकारी कर्ज और महंगाई को लेकर चिंता बढ़ सकती है।

ट्रम्प ने बुधवार रात डलास में रिपब्लिकन कन्वेंशन को संबोधित किया।

उपराष्ट्रपति वेंस बोले- अमीरों को नहीं मिलेगा पैसा

ट्रम्प के ऐलान के करीब एक घंटे बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि डिविडेंड का लाभ अमीर लोगों को नहीं मिलेगा। वेंस ने बताया कि इस भुगतान के लिए सरकार को मिलने वाले टैरिफ राजस्व का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, टैरिफ से मिलने वाली रकम 5,000 डॉलर प्रति बालिग के भुगतान की अनुमानित लागत से काफी कम है।

भारत के परमाणु हथियारों के जखीरे में 190 वॉरहेड, रिपोर्ट में खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी

भारत के परमाणु हथियारों के जखीरे में अनुमानित 190 वॉरहेड हैं, जिनमें बन रही नई मिसाइलों के लिए 30 अतिरिक्त वॉरहेड भी शामिल हैं। इस बात का खुलासा एक रिपोर्ट में किया गया है। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (FAS) ने ये अनुमान ओपन सोर्स, सरकारी डेटा और कमर्शियल सैटेलाइट इमेज के विश्लेषण से लगाए हैं। एफएएस न्यूक्लियर इन्फॉर्मेशन प्रोजेक्ट के डायरेक्टर हैंस क्रिस्टेंसन के लेख इंडियाज न्यूक्लियर वेपन्स 2026 के अनुसार, परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम डिलीवरी फोर्स के स्ट्रक्चर और रणनीति के बारे में उपलब्ध सार्वजनिक जानकारी के आधार पर हमारा अनुमान है कि भारत ने लगभग 190 परमाणु वॉरहेड बनाए होंगे।

इसमें कहा गया है कि भारत के परमाणु हथियारों के जखीरे में ऑपरेशनल लॉन्चर के लिए 160 से ज्यादा वॉरहेड और बन रही नई मिसाइलों के लिए अतिरिक्त वॉरहेड शामिल हैं। हाल के वर्षों में कई नए हथियार सिस्टम तैनात किए गए हैं और कई अन्य सिस्टम विकसित किए जा रहे हैं, जो मौजूदा परमाणु-सक्षम विमानों, जमीन से मार करने वाले डिलीवरी सिस्टम और समुद्र-आधारित सिस्टम की जगह लेंगे या उनके साथ मिलकर काम करेंगे।

- भारत के पास अनुमानित 190 परमाणु वॉरहेड मौजूद हैं।
- नई मिसाइलों के लिए 30 अतिरिक्त वॉरहेड बन रहे हैं।
- भारत 'नो-फर्स्ट-यूज' नीति का पालन करता

फास्ट न्यूज

फिलीपींसः पर्यटन स्थल के पास नौका में लगी भीषण आग

मनीला। फिलीपींस के पलावन प्रांत के पास एक फेरी में बुधवार शाम भीषण आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि 87 लोग अभी भी लापता हैं। यह हादसा पलावन प्रांत में प्रमुख पर्यटन स्थल के पास हुआ। फिलीपींस के खूबसूरत पलावन प्रांत में सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय पर्यटन स्थल एल निडो और पुएर्टो प्रिंसेसा सबटेरियन रिवर हैं।

सऊदी अरब पर हूती हमलों से बढ़ा तनाव

रियाद। सऊदी अरब ने मंगलवार को हार्मिस मुशैत और नजदीक के तीन शहरों पर हूती के हमलों के बाद लागू अलर्ट हटा लिया है। इन हमलों में सऊदी अरब के कई तेल ठिकानों और सैन्य अड्डे को नुकसान हुआ है। लेकिन सऊदी अरब ने नुकसान का ब्योरा नहीं दिया है। जबकि मंगलवार-बुधवार की रात हूती के कब्जे वाले यमन के इलाकों में सऊदी अरब के समर्थक सुरक्षा बलों ने बमबारी की। इस बीच पाकिस्तान ने कहा है कि हूती सऊदी अरब पर हमलों से बाज आए अन्यथा सऊदी अरब-पाकि-स्तान-तुर्किये का सैन्य गठबंधन सक्रिय हो जाएगा।

जॉर्डन में अमेरिकी एयरबेस पर ईरान का मिसाइल हमला

अम्मान। अमेरिका ने बीते कुछ दिनों में ईरान के कई तेल टैंकर तबाह किए। वहीं ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इन हमलों के बाद कहा था कि अमेरिका के इन हमलों का जवाब जल्द ही दिया जाएगा। CBS की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने जॉर्डन में गुरुवार तड़के अमेरिकी एयरबेस पर एक के बाद एक कई हमले किए, जिससे अमेरिका के कई मिलिट्री एयरक्राफ्ट को नुकसान पहुंचा है।

बांग्लादेश सेना का चीनी टैंक फायरिंग अभ्यास में फटा

2 सैनिकों की मौत, एक अधिकारी गंभीर

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के चटगांव में बुधवार को सेना के फायरिंग अभ्यास के दौरान चीन में बना टाइप 59 टैंक फट गया। हादसे में टैंक के अंदर मौजूद दो सैनिकों की मौत हो गई। एक सैन्य अधिकारी गंभीर रूप से घायल है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस डायरेक्टोरेट (ISPR) के मुताबिक, सैनिक टैंक से फायरिंग कर रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। घायल अधिकारी को बेहतर इलाज के लिए ढाका के कंबाइंड मिलिट्री हॉस्पिटल (CMH) ले जाया जा रहा है। हादसे की वजह अभी तक साफ नहीं है। हादसे में शामिल टैंक चीन में बना टाइप-59 है, जिसका इस्तेमाल बांग्लादेश की सेना करती है। टाइप-59 चीन में बना एक पुराना मुख्य युद्धक टैंक है। इसे चीन का पहला ऐसा टैंक भी माना जाता है, जिसे बड़ी संख्या में बनाया गया था। चीन के अलावा

पाकिस्तान, ईरान, उत्तर कोरिया जैसे कई देशों की सेनाओं ने इसका इस्तेमाल किया है। इनमें बांग्लादेश भी शामिल है। टाइप-59 सैन्य टैंक काफी पुराना है, लेकिन समय के साथ इसके कई नए वर्जन और अपग्रेड तैयार किए गए। इनमें ज्यादा बेहतर तोप, फायर-कंट्रोल सिस्टम, रात में देखने की सुविधा और टैंक की सुरक्षा बढ़ाने वाले उपकरण जोड़े गए। बांग्लादेश ने भी अपने पुराने T-59 टैंकों को अपग्रेड किया है। द डेली स्टार ने 2015 में रिपोर्ट किया था कि बांग्लादेश अपनी सेना के करीब 174 T-59 टैंकों को अपग्रेड करने की योजना पर काम कर रहा था।

35 टन राहत सामग्री काठमांडू पहुंची ■ बाढ़ में अब तक 1367 शव बरामद

भारत ने नेपाल के लिए 8वीं राहत खेप भेजी

नई दिल्ली, एजेंसी

नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद भारत ने 35 टन राहत और बचाव सामग्री की 8वीं खेप भेजी। भारतीय वायुसेना का विमान बुधवार को काठमांडू पहुंचा। इसके साथ भारत अब तक 130 टन से ज्यादा राहत सामग्री भेज चुका है।

खेप में टेंट, कंबल, हाइजीन किट, सोलर लैंप, दवाएं और रेस्क्यू उपकरण शामिल हैं। भारत ने राहत अभियान 26 अगस्त को शुरू किया था। नेपाल पुलिस के मुताबिक, बाढ़ प्रभावित इलाकों से अब तक 1367 शव बरामद हुए हैं। 102 शवों की पहचान हो चुकी है। पहचान के लिए DNA सैंपल जुटाए जा रहे हैं और भारत समेत कई देशों के फोरेंसिक

विशेषज्ञ मदद कर रहे हैं। भारत ने राहत सामग्री के साथ 54 विशेषज्ञों को भी नेपाल भेजा है। इनमें टनल रेस्क्यू और फोरेंसिक विशेषज्ञ शामिल हैं। विशेष रेस्क्यू टीम नेपाली सेना के साथ चिलिमे और लांगटांग में अभियान चला रही है, जबकि फोरेंसिक विशेषज्ञ काठमांडू की दो लैब में DNA जांच में मदद कर रहे हैं।

भारत ने इसके लिए DNA किट, रिऐजेंट और प्रोफाइलिंग उपकरण भी उपलब्ध कराए हैं।

नेपाल के नुवाकोट जिले के देवीघाट में फ्लैश फ्लड और भूस्खलन के बाद कीचड़ से दबे मकान।

चिलिमे टनल में 105 मीटर तक पहुंची नेपाली-भारतीय सेना की टीम

रसुवा जिले के चिलिमे हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में नेपाली और भारतीय सेना की टीम मिलकर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। टीम अब तक सर्विस टनल के अंदर करीब 105 मीटर तक पहुंच गई है।

प्रोजेक्ट तक जाने वाली सड़क से मलबा हटाने का काम भी चल रहा है। प्रभावित इलाके के दोनों तरफ आने-जाने के लिए रोप लाइन लगा दी गई है। बाढ़ आने के दिन ही नेपाली सेना की टीम मौके पर पहुंच गई थी। टीम ने पहले इलाके का जायजा लिया और फिर टनल के मुहाने से मिट्टी और मलबा हटाकर अंदर गई। यहां से दो लोगों के शव बरामद किए गए। रेस्क्यू ऑपरेशन को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए मौके पर मौजूद एक्सकेवेटर के साथ बॉबकैट एक्सकेवेटर भी लगातार मलबा हटाने और खुदाई में लगाया गया है।

नेपाल बाढ़ में एआई से शवों की पहचान की कोशिश

नेपाल में भोटेकोशी नदी की बाढ़ के बाद लापता लोगों और अज्ञात शवों की पहचान के लिए FaceTagr AI तकनीक की मदद ली जा रही है। यह तस्वीरों और वीडियो में चेहरों का मिलान कर लापता लोगों से संभावित मैच तलाशती है।

FaceTagr हजारों रिकॉर्ड में से 5-10 संभावित मैच सामने लाता है। परिवार इन मैचों को देख सकते हैं, जबकि अंतिम पहचान नेपाल पुलिस या संबंधित सरकारी एजेंसियां करती हैं। FaceTagr से जुड़े समीर पंथी के मुताबिक, अब तक करीब 500 लापता लोगों का रजिस्ट्रेशन हुआ है। सिस्टम ने करीब 90 शवों की पहचान में मदद की है। हालांकि, यह नेपाल पुलिस के कुल आधिकारिक पहचान आंकड़े से अलग है।

मोल्दोवा से उड़ान भरते वक्त घटना ■ नॉर्वे किंग के अंतिम संस्कार में जा रहे थे

जेलेंस्की का प्लेन ड्रोन हमले से बाल-बाल बचा : नॉर्वे पीएम

ओस्लो/कीव, एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का प्लेन मंगलवार को मोल्दोवा से उड़ान भरते समय ड्रोन हमले की चपेट में आने से बच गया। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोरे ने बुधवार को सरकारी टीवी से बातचीत में यह दावा किया।

स्टोरे के मुताबिक जेलेंस्की का प्लेन मोल्दोवा से उड़ान भरने ही वाला था, तभी ड्रोन उसके करीब आ गया। हालांकि, उन्होंने ड्रोन की दूरी और जानकारी के स्रोत का खुलासा नहीं किया।

जेलेंस्की नॉर्वे के किंग हेराल्ड पंचम के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ओस्लो जा रहे थे। ड्रोन अलर्ट के कारण उनकी उड़ान में देरी हुई। बाद में मोल्दोवा के

तस्वीर 8 सितंबर को नॉर्वे के गार्डरमोएन एयरपोर्ट पर खड़े जेलेंस्की के प्लेन की है।

अधिकारियों ने देश में एक रूसी ड्रोन के गिरने की पुष्टि की और जेलेंस्की के विमान को उड़ान भरने की मंजूरी दी।

जेलेंस्की का मोल्दोवा के विमान चिशिनाउ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खड़ा था। ड्रोन की चेतावनी मिलने के बाद एयरस्पेस बंद कर दिया गया था। AP के मुताबिक, बाद में ड्रोन एयरपोर्ट से करीब 160 किलोमीटर दूर गिरकर नष्ट हो गया।

मोल्दोवा की राष्ट्रपति बोलीं- ड्रोन का घुसना लोगों की जान के लिए खतरा

मोल्दोवा की राष्ट्रपति माइया संदू ने ड्रोन के देश में घुसने की घटना को लोगों की जान के लिए गंभीर खतरा बताया।

उन्होंने यूक्रेन की सीमा से लगे एक बॉर्डर क्रॉसिंग पर हुए रूसी ड्रोन हमले की भी निंदा की। मंगलवार को हुए इस हमले में दो लोगों की मौत हुई थी।

मोल्दोवा की ओर से ड्रोन को रूसी बताया गया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोरे किंग हेराल्ड पंचम के ताबूत के पीछे चलते हुए।

मोल्दोवा के राजदूत बोले- ड्रोन का घुसना महज संयोग नहीं

अमेरिका में मोल्दोवा के राजदूत वलादिस्लाव कुलमिन्स्की ने CNN से बातचीत में कहा कि ड्रोन के गलती से मोल्दोवा में घुसने की संभावना कम है। जेलेंस्की का विमान एयरपोर्ट पर खड़ा हो और उसी समय एक जेट-प्रोपेल्ड ड्रोन मोल्दोवा में प्रवेश करे, इसे महज संयोग मानना मुश्किल है। जब उनसे पूछा गया कि क्या ड्रोन को जेलेंस्की के विमान को निशाना बनाने के लिए भेजा गया था, तो कुलमिन्स्की ने कहा कि मामले की जांच जारी है। अभी इस बारे में कुछ कहना जल्दबाजी होगी।

हालांकि, यह साफ नहीं किया गया है कि ड्रोन को जानबूझ-कर जेलेंस्की के विमान को निशाना बनाने के लिए भेजा गया था या वह किसी दूसरे टारगेट की ओर जा रहा था।

ब्रिटेन छोड़ने पर रोक भारत कैसे लौटूं : माल्या

सोचता हूं कॉकरोच बन जाऊं 10 साल से लंदन में

लंदन, एजेंसी

लंदन में रह रहे कारोबारी विजय माल्या ने बुधवार देर रात फिर भारत सरकार पर अन्याय करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में चल रही कानूनी प्रक्रिया के कारण वे भारत नहीं लौट पा रहे हैं।

माल्या ने दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे में माना है कि उनकी 14,000 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति से बैंकों को वसूली हुई है। यह रकम उन बैंकों को लौटाई गई, जिनका पैसा किंगफिशर एयरलाइंस के कर्ज के रूप में बकाया था।

विजय माल्या पर किंगफिशर एयरलाइंस के लिए SBI समेत कई बैंकों से करीब 9,000 करोड़ का कर्ज लेने और उसे नहीं चुकाने का आरोप है। बैंकों का कर्ज नहीं चुकाने और CBI-ED की जांच के

बीच 2 मार्च 2016 यानी 10 साल 6 महीने पहले पहले वे माल्या भारत छोड़कर ब्रिटेन चले गए। बाद में उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया गया था। माल्या ने बुधवार देर रात भी X पर कई पोस्ट किए। इनमें उन्होंने हाल के कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शनों का जिक्र किया और कहा कि उनके साथ अब भी अन्याय हो रहा है। विजय ने एक पोस्ट में यह भी कहा, ₹मेरे साथ हो रहे अन्याय को देखते हुए मुझे लगता है कि मुझे कॉकरोच बन जाना चाहिए।

संभावना : गलवान झड़प के बाद मोदी-जिनपिंग की भारत में पहली द्विपक्षीय बैठक संभव

जिनपिंग ब्रिक्स समिट में आ सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग BRICS शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आ सकते हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक होने की संभावना है।

अगर यह बैठक होती है तो जून 2020 में हुई गलवान हिंसा के बाद दोनों नेताओं की भारत में पहली द्विपक्षीय बातचीत होगी। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। चीन ने बाद में अपने 4 सैनिकों की मौत की बात मानी थी।

हालांकि, जिनपिंग के भारत आने की पुष्टि अभी तक दोनों देशों ने नहीं की है। चीनी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। जिनपिंग

> भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल 24 अगस्त को चीन गए थे। वहां 25 अगस्त को उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ सीमा विवाद समेत कई मुद्दों पर बातचीत की थी।

आखिरी बार 2019 में भारत आए थे। इस साल BRICS की कमान भारत के पास है। BRICS दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है। इसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ मिस्र, ईरान, इथियोपिया, UAE और इंडोनेशिया भी शामिल हैं।

भारत की अध्यक्षता में पूरे साल अलग-अलग शहरों में बैठकें, मंत्रीस्तरीय सम्मेलन और कई स्तर की चर्चाएं हो रही हैं।

भारत का फोकस ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करने, आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल तकनीक, आतंकवाद से निपटने और सप्लाई चेन मजबूत करने पर है। यानी BRICS को सिर्फ राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि व्यापार, निवेश और विकास के बड़े मंच के तौर पर आगे बढ़ाने की कोशिश है।

सीमा विवाद समेत कई मुद्दे भारत के एजेंडे में

भारत और चीन के बीच सिर्फ सीमा विवाद ही नहीं, बल्कि व्यापार और आर्थिक रिश्ते भी बातचीत का हिस्सा हैं। भारत चीन के साथ अपने बड़े व्यापार घाटे को कम करना चाहता है।

इसके अलावा रेयर अर्थ मैगनेट और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट जैसे जरूरी सामान की सप्लाई को लेकर भी भारत अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है।

जिनपिंग ने आखिरी बार अक्टूबर 2019 में भारत का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मोदी से मुलाकात की थी।

ट्रंप सरकार ने शेयर किया नस्लवादी पोस्टर भारतीय समुदाय भड़का

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (DHS) द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किया गया एक एआई-जनरेटेड पोस्टर इन दिनों भारी विवादों में घिर गया है। भारतीय-अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले इस पोस्टर में 'सेल्फ-डिपोर्ट या परिणाम भुगतने' जैसी चेतावनी दी गई है। ऐसे में जब इसे शेयर किया गया, तब इस कैंपेन को लेकर सोशल मीडिया से लेकर मानवाधिकार संगठनों तक में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है और आलोचक इसे 'नस्लवादी' तथा 'भारत विरोधी' बता रहे हैं।

पोस्टर में क्या दिखाया गया है?

बता दें कि ट्रंप प्रशासन के सख्त अवैध आप्रवासन अभियान के तहत DHS के आधिकारिक एक्स अकाउंट से एक पोस्ट शेयर की गई थी। इसमें प्रसिद्ध 'ट्रांसफॉर्मर्स' फ्रेंचाइजी के कैरेक्टर्स का इस्तेमाल किया गया है। पोस्ट में मुख्य किरदार 'ऑप्टिमस प्राइम' को एक दाढ़ी वाले

भूरे रंग के व्यक्ति यानी 'मिस्टर सिंह' से यह कहते हुए दिखाया गया है कि सेल्फ-डिपोर्ट करो या परिणाम भुगतो। गौर करने वाली बात यह है कि इस पूरे विवाद की जड़ केवल पोस्ट और अप्रवासन नीति को लेकर सख्त संदेश नहीं है। इन सब के अलावा पोस्ट में यह भी लिखा गया है कि हमारे रास्तों से उतर जाओ, तुम गाड़ी चलाना नहीं जानते मिस्टर सिंह। अब इस बात में तो कोई दोहराई नहीं है कि भारतीय और सिख समुदाय में 'सिंह' उपनाम का अत्यधिक इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में इसी आधार को देखते हुए इस टिप्पणी को सीधे तौर पर एक समुदाय विशेष को लक्षित करने वाला माना जा रहा है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96